स्व. पुरुषोत्तमदास मोदी

साधना के अवधूत

पुरुषोत्तमदास मोदी व्यक्ति नहीं संस्था थे। उस संस्था के तमाम दरवाजे खुले थे। उनसे होकर प्रकाश की किरणें मोदीजी के जीवन में भर उठी थीं। वे बाहर से देखने में चाहे जितने अस्वस्थ लगें लेकिन भीतर से आलोकित थे। एक आभा थी उनके अन्दर जो वाणी और लेखनी से समय-समय पर प्रस्फुटित होती रहती थी। अनुभूतियों और संस्मरणों के भण्डार थे। उनमें साहित्यकार की भावुकता, कलाकार की सृजनात्मकता और व्यवसाई की कार्य कुशलता का अद्‌भुत समन्वय था। यदि ऐसा नहीं होता तो वे अपने पिता के पैतृक गल्ला और कपड़े के व्यवसाय में लग जाते, प्रकाशन व्यवसाय में न आते। लेकिन पुस्तकों से स्वाभाविक लगाव था। पुस्तकों के बीच रहकर सृजनकर्म उन्हें सुखद अनुभूति से भर देता था। यह अनुभूति ही उन्हें संघर्ष के लिए ताकत देती थी। इसी ताकत के भरोसे ही वे गोरखपुर से खाली हाथ आए और वाराणसी में इतना प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्थान खड़ा किया जो देश के गिने-चुने प्रकाशन संस्थानों में गरिमामय स्थान रखता है।

साहित्य के प्रति भावात्मक लगाव ने ही मोदीजी को प्रेमचंद, पं० माखनलाल चतुर्वेदी, सुभद्रा कुमारी चौहान, बनारसीदास चतुर्वेदी, धर्मवीर भारती जैसे प्रतिष्ठित साहित्यकारों का सान्निध्य दिलाया। माखनलाल चतुर्वेदी के चरणों में जहाँ पत्रकारिता के गुर सीखे वहीं साहित्यकारों के सान्निध्य से सृजनकर्म की प्रेरणा ली।

मोदीजी स्वकेन्द्रित नहीं रहे। अपने भीतर छिपी असीम ऊर्जा को विभिन्न क्षेत्रों में फैलाया। समाज के प्रति अपने दायित्वों को लेकर हमेशा सतर्क रहे।

मोदीजी का चिंतन भारतीय जीवन-दर्शन में समाया हुआ था। देश के सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों के अध:पतन, पश्चिम से अपसंस्कृति का हमला और भूमण्डलीकरण के कारण बाजार-व्यवस्था का लगातार मजबूत होते जाना उन्हें झकझोरता था। इसे वे समय-समय पर 'भारतीय वाङ्मय' के सम्पादकीय में व्यक्त करते रहते थे। भारतीय जीवनमूल्यों का छीजना उन्हें चिंतित करता था।

विश्वविद्यालय प्रकाशन ने वाराणसी और वाराणसी के ऐसे लोगों, जो वाराणसी को जीते रहे हैं, (जैसे केदार शर्मा और बड़े गुरु) की पुस्तकें प्रकाशित कर वाराणसी को जिन्दा रखने का प्रयास किया है। पूर्वांचल में साहित्यिक लौ जल रही है तो इसी प्रकाशन संस्था के कारण।

काशी में जिस व्यक्ति की मृत्यु होती है उसे मोक्ष मिल जाता है। लेकिन मोदीजी मोक्ष नहीं चाहते थे। बार-बार जन्म लेकर देश, समाज और साहित्य की सेवा करना चाहते थे।

विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

विश्वविद्यालय प्रकाशन की स्थापना सर्वप्रथम गोरखपुर में सन् 1950 में हुई। 1964 में यह संस्थान वाराणसी में स्थानान्तरित हुआ और विजयादशमी 20 अक्तूबर 1969 ई० में चौक थाना परिसर के भूगर्भ खण्ड में स्थापित हुआ। अब यह संस्थान ग्राहकों के सुगम आवागमन हेतु जुलाई 2024 में चौक से विद्यापीठ रोड पर स्थानान्तरित हो गया है। यहाँ संस्थान के निजी प्रकाशनों के साथ देश के प्रमुख प्रकाशकों की पुस्तकें भी उपलब्ध हैं।

विश्वविद्यालय प्रकाशन में विभिन्न विषयों की पुस्तकें उपलब्ध हैं—

साहित्य (Literature), भाषा विज्ञान (Linguistics), उपन्यास (Fiction) [हिन्दी, संस्कृत व अंग्रेजी Hindi, Sanskrit & English], इतिहास, कला, संस्कृति और पुरातत्त्व (History, Art, Culture & Archaeology), संग्रहालय विज्ञान (Museology), भूगोल (Geography), अर्थशास्त्र (Economics), वाणिज्य (Commerce), प्रबन्धशास्त्र (Managment), राजनीतिशास्त्र (Political Science), शिक्षाशास्त्र एवं मनोविज्ञान (Education & Psychology), बी. एड., एम. एड. (B.Ed., M.Ed.), भौतिकी (Physics), रसायनशास्त्र (Chemistry), वनस्पति विज्ञान (Botany), प्राणि विज्ञान (Zoology), गणित एवं सांख्यिकी (Maths. & Statistics), समाजशास्त्र (Sociology), नृविज्ञान/मानव विज्ञान (Anthropology), गृह विज्ञान (Home Science), स्त्री विमर्श (Women Studies), ललितकला तथा संगीत (Music & Fine Arts), कृषि विज्ञान (Agriculture), पत्रकारिता, जनसंचार एवं मुद्रण कला (Journalism, Mass Communication & Art of Publishing & Printing), धर्म एवं दर्शन (Religion & Philosophy), आध्यात्मिक तथा धार्मिक साहित्य (Religious & Spiritual Literature), सैन्य विज्ञान (Military Science), खेलकूद एवं शारीरिक शिक्षा (Sports, Games & Physical Education), हस्तरेखा एवं ज्योतिष विज्ञान (Palmistry & Astrology) पुस्तकालय विज्ञान (Library Science), आयुर्विज्ञान (Ayurveda), शब्दकोश (Dictionaries), प्रतियोगी परीक्षा सम्बन्धी (Books for Competition), इनसाइक्लोपीडिया (Encyclopaedias), व्यक्तित्व विकास एवं प्रेरक साहित्य (Personality Development & Inspirational Literature), बाल साहित्य (Literature for Children), दलित साहित्य (DALIT Literature), वास्तु शास्त्र (VASTU-SHASTRA), ग्रन्थावलियाँ (Complete Works), भाषण तथा संवाद विज्ञान (Speech & Dialogue Science), लोक साहित्य (Folklore), आदि।

कृपया एक बार पधारकर हमारे संस्थान का अवलोकन करें अथवा लिखें–

VISHWAVIDYALAYA PRAKASHAN

1st Floor, C-32/23-K-1D, Chandua Satti, Vidyapeeth Road
In Lane Opposite Kashi Vidyapeeth Power House
(Adjacent to Hotel Abhinav International) **VARANASI-221002 (U.P.) [INDIA]**
Mobile : 9198701115 • Whatsapp : 9369132998 • E-Mail : sales@vvpbooks.com
Website : www.vvpbooks.com

इस सूची से पूर्व में प्रकाशित सभी सूचीपत्र निरस्त किये जाते हैं।

अनुक्रम

सम्पूर्ण सूची

इतिहास, कला और संस्कृति 05-08

प्राचीन इतिहास 5
प्राचीन धर्म एवं दर्शन 6
मध्यकालीन इतिहास 6
आधुनिक इतिहास 6
इतिहास : सन्दर्भ ग्रन्थ 7
काशी विषयक पुस्तकें 7

सामाजिक विज्ञान व विज्ञान 09-12

समाजशास्त्र, राजनीति, धर्म एवं दर्शन 9
स्त्री विमर्श 10
शिक्षा तथा मनोविज्ञान 10
पत्रकारिता / जनसंचार 11
भाषण तथा संवाद विज्ञान 11
चित्रकला 11
सङ्गीत 12
भूगोल 12
English Literature 12
सामान्य विज्ञान 12
Zoology / Physics 12

संस्कृत-साहित्य 13-15

संस्कृत व्याकरण तथा रचना 13
रस, अलंकार, साहित्य शास्त्र तथा समीक्षा 13
भाषा-शास्त्र तथा कोश 14
वैदिक-साहित्य / पालि-प्राकृत-अपभ्रंश 14
संस्कृत-साहित्य (मूल ग्रन्थ, समीक्षा सहित) 14
दर्शन तथा संस्कृति 15

बाल, प्रौढ़ तथा नवसाक्षरोपयोगी साहित्य 15

हिन्दी-साहित्य 16-31

हिन्दी साहित्य का वस्तुनिष्ठ इतिहास-3 भाग 16
व्याकरण तथा भाषा 17
काव्यशास्त्र 17
भोजपुरी साहित्य के इतिहास (भोजपुरी में) 18
लोक-साहित्य / भोजपुरी साहित्य 19
साहित्येतिहास / साहित्य समीक्षा 19
सन्त-साहित्य 22
कोश 22
प्रेरक सूक्तियाँ 22
कबीर साहित्य तथा समीक्षा 22
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र साहित्य, जीवनी तथा समी. 23
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल साहित्य तथा समीक्षा 23
प्रसाद साहित्य, संस्मरण तथा समीक्षा 23
प्रेमचंद साहित्य तथा समीक्षा 23
अज्ञेय साहित्य-समीक्षा 24
कुबेरनाथ राय साहित्य 24
विवेकी राय साहित्य तथा समीक्षा 24
संस्मरण, जीवनचरित, यात्रा तथा डायरी 25
उपन्यास 26
कहानी 26
कहानी-संग्रह 27
हास्य-व्यंग्य 27
ललित निबन्ध (मौलिक कृतियाँ) 27
निर्गुण रचनावली (6 खण्डों में) 28
निबन्ध संग्रह (सम्पादित) 29
नाटक, एकांकी (मौलिक तथा सम्पादित) 29
काव्य-ग्रन्थ 29
कविता-संग्रह (मौलिक कृतियाँ) 30
काव्य-संकलन (सम्पादित) 31
जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया 31

अध्यात्म, योग एवं जीवन-चरित 32-40

भारत के महान योगी (14 भाग-7 जिल्द) 32
मनीषी, संत, महात्मा 33
अध्यात्म, योग, तंत्र, दर्शन, ज्योतिषशास्त्र 35
म०म०पं० गोपीनाथ कविराज की अध्यात्मपरक कृतियाँ 36
पौराणिक, धार्मिक एवं ऐतिहासिक आख्यान पर आधारित प्रमुख ग्रन्थ 37
स्वामी करपात्री जी के प्रमुख ग्रन्थ 39
अरुण कुमार शर्मा के प्रमुख ग्रन्थ 39
ज्योतिष, योग, स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व 40

नोट : पुस्तकों के मूल्य परिवर्तनीय हैं। (Prices are subject to change)

सामान्य पाठकों, छात्रों, अध्येताओं, शोधार्थियों, पुस्तकालयों, शिक्षण संस्थाओं, स्कूल-कॉलेज, विश्वविद्यालय, सार्वजनिक पुस्तकालयों एवं सरकारी/गैर सरकारी संस्थाओं आदि के सम्पूर्ण पुस्तकीय समाधान हेतु

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के सामने स्थापित पुस्तकों का विशाल शोरूम तथा इंटरनेट की वैश्विक दुनिया में स्थापित विशाल वर्चुअल शोरूम

https://www.vvpbooks.com *(Website is being updated regularly)*

Our Website has been redesigned and renovated completely as per ever changing world of Digital age. With very easy browsing and all the facilities for online shopping :

BHIM | freecharge | paytm | UPI | RuPay

Google Pay Net Banking | VISA | MasterCard | PhonePe

साहित्यिक तथा विभिन्न विषयों की हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत पुस्तकों का विशाल संग्रह

विश्वविद्यालय प्रकाशन

प्रमुख प्रकाशक एवं पुस्तक विक्रेता

प्रथम तल, सी-32/23-के-1डी, चन्दुआ सट्टी, विद्यापीठ रोड,

काशी विद्यापीठ पावर हाउस के सामने गली में (होटल अभिनव इण्टरनेशनल के पास)

Mobile: **9198701115** **वाराणसी-221002, उत्तर प्रदेश** Whatsapp : **9369132998**

E-Mail : sales@vvpbooks.com • vvpbooks@gmail.com ■ Website : https://www.vvpbooks.com

पुस्तकें प्राप्त करने हेतु सुविधानुसार पधारें, लिखें, फोन करें, ई-मेल करें अथवा वेबसाइट का अवलोकन कर ऑनलाइन पुस्तकों का आदेश करें।

अगर वेबसाइट में आपकी वांछित पुस्तक नहीं मिल रही है तो कृपया ई-मेल द्वारा वांछित पुस्तकों का विवरण भेजें।

विश्वविद्यालय प्रकाशन
विद्यापीठ रोड, वाराणसी

इतिहास, कला और संस्कृति
(HISTORY, ART & CULTURE)

..... प्राचीन इतिहास (Ancient History) .....

		HB	PB
प्राचीन भारत (पूर्णतया संशोधित एवं परिवर्धित)	*डॉ० राजबली पाण्डेय*	850	400
प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास	*डॉ० (सुश्री) शरद सिंह*	400	250
गुप्त साम्राज्य (पूर्णतया संशोधित एवं परिवर्धित)	*डॉ० परमेश्वरीलाल गुप्त*	750	450
प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख [खण्ड-1 : मौर्य-काल से कुषाण (गुप्त-पूर्व) काल तक]	*डॉ० परमेश्वरीलाल गुप्त*	**350**	**175**
प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख [खण्ड-2 : गुप्त-काल 319-543 ई०]	'' '' ''	350	175
प्राचीन भारतीय मुद्राएँ	*डॉ० परमेश्वरीलाल गुप्त*	400	160
भारत के पूर्व-कालिक सिक्के	*डॉ० परमेश्वरीलाल गुप्त*	600	300
गुप्तोत्तरकालीन उत्तर भारतीय मुद्राएँ (600 से 1200 ई०)	*डॉ० ओंकारनाथ सिंह*	—	150
भारतीय संस्कृति के मूलतत्व (संस्कार, वर्णाश्रम व्यवस्था, पुरुषार्थ-चतुष्टय)	*राष्ट्रिय पण्डित श्री ब्रजवल्लभ द्विवेदी*	—	90
भारतीय संस्कृति की रूपरेखा	*डॉ० पृथ्वीकुमार अग्रवाल*	—	125
प्राचीन भारतीय कला एवं वास्तु	*डॉ० पृथ्वीकुमार अग्रवाल*	**1500**	**800**
भारतीय वास्तु-कला	*डॉ० परमेश्वरीलाल गुप्त*	500	200
विश्व की प्राचीन सभ्यताएँ	*डॉ० श्रीराम गोयल*	**650**	**450**
प्रागैतिहासिक मानव और संस्कृतियाँ	*डॉ० श्रीराम गोयल*	—	50
भारतीय पुरातत्त्व	*डॉ० नीहारिका*	1000	500
प्राचीन भारतीय पुरातत्त्व, अभिलेख एवं मुद्राएँ	*डॉ० नीहारिका*	600	250
प्राचीन भारतीय प्रतिमा-विज्ञान एवं मूर्ति-कला (परिवर्धित)	*डॉ० बृजभूषण श्रीवास्तव*	750	400
प्राचीन भारतीय शासन-पद्धति	*प्रो० अनंत सदाशिव अलतेकर*	450	200
प्राचीन भारतीय शिक्षण-पद्धति	*प्रो० अनंत सदाशिव अलतेकर*	400	175
हिन्दू राज्य-तंत्र (प्रथम खण्ड)	*डॉ० काशी प्रसाद जायसवाल*	—	125
हिन्दू राज्य-तंत्र (द्वितीय खण्ड)	*डॉ० काशी प्रसाद जायसवाल*	—	125
प्राचीन भारत के आधुनिक इतिहासकार	*डॉ० हीरालाल गुप्त*	50	—
प्राचीन भारतीय कला में मांगलिक प्रतीक	*डॉ० विमलमोहिनी श्रीवास्तव*	200	—
चालुक्य और उनकी शासन-व्यवस्था	*डॉ० रेणुका कुमारी*	100	—
महाभारत का कालनिर्णय (ज्योतिर्वैज्ञानिक, ऐतिहासिक तथा पौराणिक साक्ष्य के आधार पर)	*डॉ० मोहनलाल गुप्त*	(यन्त्रस्थ)	
ग्रीक भारतीय (अथवा यवन)	*प्रो० ए० के० नारायण*	(यन्त्रस्थ)	
भोजराज (मालवाधीश परमार राजा भोज प्रथम)	*डॉ० भगवतीलाल राजपुरोहित*	100	—

गुप्तयुगीन केन्द्रीय प्रशासन	*डॉ० सीमा मिश्रा*	280	—
Studies In Indian Art	*Dr. V.S. Agrawal*	**750**	—
The Imperial Guptas (Vol. I)	*Dr. P.L. Gupta*	200	—
The Imperial Guptas (Vol. II)	*Dr. P.L. Gupta*	300	—

.....प्राचीन धर्म एवं दर्शन (Ancient Religion & Philosophy).....

पूर्व मध्यकालीन जैनकला	*डॉ० अवधेश यादव*	250	—
जैन कला तीर्थ : देवगढ़	*डॉ० मारुतिनन्दन तिवारी, डॉ० शान्ति स्वरूप सिन्हा*	300	200
शिव की अनुग्रह मूर्तियाँ	*डॉ० शान्ति स्वरूप सिन्हा*	250	—
बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य	*डॉ० नागेन्द्रनाथ उपाध्याय*	300	—
बुद्ध और उनके समकालीन	*डॉ० प्रेमनारायण सोमानी*	(यन्त्रस्थ)	
बुद्ध और उनकी शिक्षा (प्रश्नोत्तरी)	*हेनरी यस० ऑल्कॉट, अनु० छत्रधारी सिंह, '' '' ''*	200	100
बुद्धकालीन शाक्य से सैंथवार तक यात्रा	*श्रीमती विमला सिंह, महेश कुमार सिंह*	300	—
आसन एवं योगमुद्रायें (प्राचीन भारत में शरीर साधना की पद्धति)	*डॉ० रवीन्द्रप्रताप सिंह*	300	—
दर्शन, धर्म तथा समाज	*राजाराम शास्त्री*	350	—
सनातन हिन्दूधर्म और बौद्धधर्म	*श्यामसुन्दर उपाध्याय*	—	**160**
Hinduism and Buddhism	*Dr. Asha Kumari*	200	—

.....मध्यकालीन इतिहास (Medieval History).....

पूर्व मध्यकालीन समाज (अभिलेखीय एवं साहित्यिक अध्ययन)	*डॉ० प्रशान्त कश्यप*	300	—
पूर्व-मध्य एवं मध्यकालीन भारतीय मूर्तिकला	*डॉ० मारुतिनन्दन तिवारी* एवं डॉ० कमल गिरि	700	350
मध्यकालीन भारतीय प्रतिमा लक्षण	*डॉ० मारुतिनन्दन तिवारी* एवं डॉ० कमल गिरि	600	400
खजुराहो की मूर्तिकला के सौन्दर्यात्मक तत्त्व	*डॉ० (सुश्री) शरद सिंह*	400	—
गाहड़वालों का इतिहास (1089-1196)	*डॉ० प्रशान्त कश्यप*	220	—
सल्तनतकालीन सरकार तथा प्रशासनिक व्यवस्था	*डॉ० उषा रानी बंसल*	—	50
मुगलकालीन सरकार तथा प्रशासनिक संरचना	*डॉ० उषा रानी बंसल*	—	100
भारतीय मुसलमान	*डॉ० किशोरीलाल*	—	60

..... आधुनिक इतिहास (Modern History).....

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन की भूमिका (1924-1937)	*डॉ० रविशेखर सिंह*	360	—
अठारहवीं शताब्दी के राजस्थानी चित्रों के परिप्रेक्ष्य में संस्कृति का अध्ययन	*डॉ० ज्योतिमा*	450	—
भारतीय संग्रहालय एवं जनसम्पर्क	*डॉ० आर० गणेशन्*	—	250
स्वतन्त्रता-आन्दोलन और बनारस	*ठाकुरप्रसाद सिंह*	—	**300**
एक विश्व : एक संस्कृति	*राष्ट्रिय पण्डित श्री व्रजवल्लभ द्विवेदी*	150	—
भारतीय समाज एवं संस्कृति : परिवर्तन की चुनौती	*सं० : सत्य प्रकाश मित्तल*	380	—
भारतीय संस्कृति की भूमिका	*हृदयनारायण दीक्षित*	400	—
भारतीय संस्कृति के तीन सोपान	*प्रो० राजाराम शास्त्री, सं० : प्रो० सत्यप्रकाश मित्तल*	220	—
भारत के नव-निर्माण का आह्वान	*डॉ० डेविड फ्राली, अनु० : केशव प्रसाद कायां*	320	225
इस्लाम और आधुनिक भारत	*प्रो० मुकुटबिहारी लाल*	120	70
इतिहास दर्शन	*डॉ० झारखण्डे चौबे*	600	275

कम्बुज देश का राजनैतिक और सांस्कृतिक इतिहास	*डॉ० महेश कुमार शरण*	175	—
गुप्त भारत की खोज	*डॉ० पाल ब्रंटन*	**500**	**200**

..... इतिहास—सन्दर्भ ग्रन्थ (History—Reference Works) .....

विश्वगुरु भारत	*महामोपाध्याय प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र*	750	450
ब्राह्मण-समाज का ऐतिहासिक अनुशीलन	*देवेन्द्रनाथ शुक्ल*	800	450
एक संस्कृति : एक इतिहास (ढाई सौ वर्ष के सांस्कृतिक संक्रमण की महागाथा)	*देवेन्द्रनाथ शुक्ल*	395	—
अयोध्या का इतिहास	*श्री अवधवासी लाला सीताराम*	—	275
Ancient Indian Administration & Penology	*Paripurnanand Varma*	300	—
Daishik Shastra *(Bharatiya Polity & Political Science)*	*Badrishah Thulgharia*	250	—
सात्वतार्चन : वासुदेव शरण अग्रवाल जन्मशती स्मृति ग्रन्थ	*प्रो० मारुतिनन्दन प्र०तिवारी..*	500	—

.....काशी विषयक पुस्तकें (Banaras, Kashi, Varanasi).....

Prinsep's Benares Illustrated (Intro. : *Dr. O. P. Kejariwal)*	*James Prinsep*	**950**	—
हंस 'काशी अंक' (अक्टूबर-नवम्बर 1933 ई०)	*सम्पादक : प्रेमचन्द*	—	500
काशी की पाण्डित्य परम्परा	*पं० बलदेव उपाध्याय*	1000	—
बनारसी बोली	*पं० वाचस्पति उपाध्याय,* सं० : *डॉ० शशिकला त्रिपाठी*	200	—
काशी का इतिहास	*डॉ० मोतीचन्द्र*	950	—
काशी के घाट : कलात्मक एवं सांस्कृतिक अध्ययन	*डॉ० हरिशंकर*	**550**	—
काशी के विद्यारत्न संन्यासी	*पं० बलदेव उपाध्याय*	—	80
शिव काशी (पौराणिक परिप्रेक्ष्य एवं वर्तमान संदर्भ) *डॉ० प्रतिभा सिंह,* प्रा० : *प्रो० राणा पी०बी० सिंह*		—	275
बना रहे बनारस	*विश्वनाथ मुखर्जी*	240	80
धन धन मातु गङ्ग	*डॉ० भानुशंकर मेहता*	250	—
गंगाघाटी के गीत	*डॉ० हीरालाल तिवारी*	**500**	—
स्वतन्त्रता-आन्दोलन और बनारस	*ठाकुरप्रसाद सिंह*	—	**300**
आज भी वही बनारस है *(सचित्र हास्य-व्यंग्य काव्य)*	*विश्वंभरनाथ त्रिपाठी 'बड़े गुरू'*	(यन्त्रस्थ)	
कलागुरु केदार शर्मा के व्यंग्य-चित्रों में काशी	*डॉ० धीरेन्द्रनाथ सिंह*	300	200
काशिकेयवैदिक एवं वेदाध्ययन पद्धति★	*डॉ० (श्रीमती) निधि गोस्वामी*	900	—
काशी रहस्यम्★ (मूल पाठ व हिंदी अनुवाद)	*डॉ० श्याम बापट 'आचार्य'*	—	701
काशी का संक्षिप्त इतिहास★	*शम्भूनाथ मानव*	—	295
काशी यात्रा★	*पं० श्रीनारायणपति त्रिपाठी*	—	102
काशीवैभवसमुच्चय:★	*श्रीरमापद चक्रवर्ती*	300	—
काशीस्थितिचन्द्रिका★	*श्रीरमापद चक्रवर्ती*	380	—
काशी की सन्त परम्परा एवं प्रमुख मस्जिदें★	*प्रो० गिरीश चंद्र चौधरी*	—	100
काशी की सन्त परम्परा★	*मनीषा सिंह*	—	125
भोग-मोक्ष समभाव : काशी का सामाजिक-सांस्कृतिक स्वरूप★	*बैद्यनाथ सरस्वती*	850	—
प्रतीक्षा शिव की ('ज्ञान वापी' काशी के सत्य का उद्घाटन)★	*विक्रम संपत*	—	499
धुंध में धरोहर : वाराणसी के पर्यटन विकास पर आधारित शोध पुस्तक★	*अरुण सिंह*	—	170
19वीं सदी का बनारस★	*डॉ० पूनम पाण्डेय*	—	195

सो कासी सेइअ कस न★	*डॉ० भानुशंकर मेहता*	—	275
देखो अपनी कासी लोगो★	*अजय मिश्र*	—	225
बनारसी रंग★	*अजय मिश्र*	—	175
काशी की साहित्यिक परम्परा★	*अजय मिश्र*	—	180
चलो मन तुम काशी★	*रामसुधार सिंह*	—	500
मोक्ष नगरी का जीवन दर्शन.....★	*रामसुधार सिंह*	—	500
काशी की कस्तूरी : विदुषी सुचरिता गुप्ता (एक संगीत साधिका की संगीत यात्रा)★	*डॉ० शबनम ख़ातून*		800
आनंद कानन काशी★	*के० चन्द्रमौलि*	(यन्त्रस्थ)	
Benaras : The Sacred City★	*E.B. Havell*	(यन्त्रस्थ)	
Textiles of Banaras : Yesterday and Today★	*Tarannum Fatma Lari*	—	1850
Banaras : City of Light★	*Diana L. Eck*	—	499
Benares : A World within a World (The Microcosm of Kashi : Yesterday and Today) ★	*Richard Lannoy*	—	595
Cultural Landscapes and the Lifeworld : Literary Images of Banaras★		795	695
Banaras, The Heritage City of India : Geography, History and Bibliography★		895	—
Towards The Pilgrimage Archetype : The Panchakroshi Yatra of Banaras★	*Rana P.B. Singh*	—	395
Banaras : Cosmic Space of Life, Light and Twilight★	*Dilip Kumar*	—	245
A Pilgrimage to Kashi : Banaras, Varanasi, Kashi : History, Mythology and Culture of the most strange and fascinating city in India★	*Gol*	495	375
The Ganga Trail Foreign Accounts & Sketches of River Scene★	*Jagmohan Mahajan*	750	—
The Lost Hero of Banaras : Babu Jagat Singh★	*H. A. Qureshi, Shreya Pathak*	1195	—
Sarnath, Varanasi and Kausambi : A Pilgrim's Guide Book★	*Suresh Bhatia*	—	125
A Guide to Sarnath★	*B. Majumdar*	—	140

विश्वगुरु भारत

●

महामहोपाध्याय प्रो० अभिराज राजेन्द्रमिश्र, 'पद्मश्री' सम्मानित

पूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

जब देवतात्मा हिमालय, ब्रह्मद्रवभूता गंगा एवं तीन दिशाओं में सागर से संरक्षित, परमेश्वर की लीलाभूमि एवं प्रथम विश्ववारा संस्कृति के प्रतिष्ठापक भूखण्ड को विष्णु एवं श्रीमद्भागवत-पुराण तथा सम्राट् खारवेल (ई० प्रथमशती) का हाथीगुम्फा शिलालेख भारत कह रहा था, उसी समय ईरान तथा अरब के लोग उसे अज हिन्दकन् (अवेस्ता) तथा हिन्द कह रहे थे। उसी समय हेरेडोटस् तथा टालेमी को वह राष्ट्र इण्डिया के नाम से ज्ञात था। ये तीनों नाम एक ही राष्ट्र (भारत) के हैं। वेदगर्भ संस्कृति, धर्म, भाषा एवं आचार-व्यवहार का देश भारत प्रारम्भ से ही खण्डदृष्टि का विरोधी रहा है। वह समस्त विश्व के साथ अपना तादात्म्य स्थापित करके ही किसी सन्दर्भ की चर्चा करता है। *.....शेष पृष्ठ 40 पर*

सामाजिक विज्ञान व विज्ञान (SOCIAL SCIENCE & SCIENCE)

.....समाजशास्त्र, राजनीति, धर्म एवं दर्शन.....

.....(Sociology, Politics, Religion & Philosophy).....

विश्वगुरु भारत	*महामोपाध्याय प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र*	750	450
ब्राह्मण-समाज का ऐतिहासिक अनुशीलन	*देवेन्द्रनाथ शुक्ल*	800	450
एक संस्कृति : एक इतिहास (ढाई सौ वर्ष के सांस्कृतिक संक्रमण की महागाथा)	*देवेन्द्रनाथ शुक्ल*	395	—
श्रम-कल्याण	*डॉ० बालेश्वर पाण्डेय*	300	150
संयुक्त राष्ट्र संघ सुधार और भारत	*डॉ० श्रावणी बनर्जी*	300	—
भारतीय संस्कृति की भूमिका	*हृदयनारायण दीक्षित*	400	—
सांस्कृतिक अनुभूति : राजनीतिक प्रतीति	*हृदयनारायण दीक्षित*	160	—
भारतीय समाज : राजनीतिक संक्रमण	*हृदयनारायण दीक्षित*	160	—
सामाजिक परिवर्तन में कला एवं साहित्य	*डॉ० जुगनू पाण्डेय*	180	—
इस्लाम और आधुनिक भारत	*प्रो० मुकुटबिहारी लाल*	120	70
भारतीय संस्कृति के तीन सोपान	*प्रो० राजाराम शास्त्री, सं० : प्रो० सत्यप्रकाश मित्तल*	220	—
भारतीय समाज एवं संस्कृति : परिवर्तन की चुनौती	सं० : *सत्यप्रकाश मित्तल*	380	—
एक विश्व : एक संस्कृति	*राष्ट्रिय पण्डित श्री ब्रजवल्लभ द्विवेदी*	150	—
राष्ट्रीयता का तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य	*सुदर्शन पण्डा*	120	—
प्राचीन भारतीय समाज और चिन्तन	*डॉ० चन्द्रदेव सिंह*	—	150
हिन्दू राज्य-तंत्र (प्रथम खण्ड)	*डॉ० काशी प्रसाद जायसवाल*	—	125
हिन्दू राज्य-तंत्र (द्वितीय खण्ड)	*डॉ० काशी प्रसाद जायसवाल*	—	125
भारत के नव-निर्माण का आह्वान	*डॉ० डेविड फ्राली*, अनु० : *केशव प्रसाद कायां*	320	225
अपराध के नये आयाम तथा पुलिस की समस्याएँ	*परिपूर्णानन्द वर्म्मा*	100	—
पुलिसकर्मियों की समस्याएँ : समाजवैज्ञानिक अध्ययन	*डॉ० विजयप्रताप राय*	300	—
सामाजिक व्यवस्था में पुलिस की भूमिका	*चमनलाल प्रद्योत*	—	40
भारतीय संस्कृति के मूलतत्व (संस्कार, वर्णाश्रम व्यवस्था, पुरुषार्थ-चतुष्टय)	*राष्ट्रिय पण्डित श्री ब्रजवल्लभ द्विवेदी*	—	90
भारतीय राष्ट्रवाद : स्वरूप और विकास	सं० : *डॉ० सत्येन्द्र त्रिपाठी*	100	—
गांधीवाद : विविध आयाम	*डॉ० सतीशकुमार*	120	—
भारत की चुनावी राजनीति के बदलते आयाम (विशेष : बिहार राज्य)	*डॉ० ओमप्रकाश राय*	400	—
Daishik Shastra (Bharatiya Polity & Political Science)	*Badrishah Thulgharia*	250	—
मदन मोहन मालवीय की लोकयात्रा	*डॉ० देवव्रत चौबे*	—	**200**
भारतीय रहस्यवाद	*डॉ० राधेश्याम दूबे*	200	—
भारतीय दर्शन : सामान्य परिचय (सांख्य, योग, वेदान्त, बौद्ध एवं जैन दर्शन)	*राष्ट्रिय पण्डित श्री ब्रजवल्लभ द्विवेदी*	(यन्त्रस्थ)	
भारतीय दर्शन का सुगम परिचय	*डॉ० शिवशंकर गुप्त*	—	100
धर्म, दर्शन और विज्ञान में रहस्यवाद	*प्रो० कल्याणमल लोढ़ा, डॉ० वसुन्धरा मिश्र*	250	—
सनातन हिन्दूधर्म और बौद्धधर्म	*श्यामसुन्दर उपाध्याय*	—	**160**

दिव्य प्रतीक	*प्रो० कल्याणमल लोढ़ा*	—	100
सोमतत्त्व	*प्रो० कल्याणमल लोढ़ा*	—	100
दर्शन, धर्म तथा समाज	*राजाराम शास्त्री*	350	—
बुद्ध और उनकी शिक्षा (प्रश्नोत्तरी)	*हेनरी यस० ऑल्कॉट*		
	अनुवादक : छत्रधारी सिंह, डॉ० प्रेमनारायण सोमानी	200	100
बुद्ध और उनके समकालीन	*डॉ० प्रेमनारायण सोमानी*	(यन्त्रस्थ)	
बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य	*डॉ० नागेन्द्रनाथ उपाध्याय*	300	—
इस्लाम और आधुनिक भारत	*प्रो० मुकुटबिहारी लाल*	120	70
गांधीवाद : विविध आयाम	*डॉ० सतीश कुमार*	120	—
विकासवाद और श्री अरविन्द	*डॉ० जयदेव सिंह*	40	—
हिन्दू षड्दर्शन	*स्वामी प्रत्यगात्मानन्द सरस्वती*	150	90
वेद व विज्ञान	*स्वामी प्रत्यगात्मानन्द सरस्वती*	300	—
वेदान्त और आइन्सटीन	*अनिल भटनागर*	100	—
विज्ञान और वेदान्त	*मान्धाता सिंह*	—	100

..... स्त्री विमर्श (Women Studies) .....

स्त्रीत्व : धारणाएँ एवं यथार्थ	*प्रो० कुसुमलता केडिया, प्रो० रामेश्वरप्रसाद मिश्र*	(यन्त्रस्थ)	
काशी में मोक्षकामी प्रवासी विधवाएँ	*सत्यप्रकाश मित्तल, रामलखन मौर्य*	200	—
उत्तरशती के उपन्यासों में स्त्री	*डॉ० शशिकला त्रिपाठी*	250	—

..... शिक्षा तथा मनोविज्ञान (Education & Psychology) .....

प्राचीन भारतीय शिक्षण-पद्धति	*डॉ० अनन्त सदाशिव अलतेकर*	400	175
शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी (पूर्णतया परिवर्धित संस्करण)	*प्रो० के० पी० पाण्डेय*	500	250
शिक्षण अधिगम की तकनालॉजी	*प्रो० के० पी० पाण्डेय*	350	180
नवीन शिक्षा मनोविज्ञान	*प्रो० के० पी० पाण्डेय*	450	200
शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार	*प्रो० के० पी० पाण्डेय*	450	200
शैक्षिक अनुसंधान	*प्रो० के० पी० पाण्डेय*	400	175
पर्यावरण शिक्षा एवं भारतीय सन्दर्भ	*प्रो० के० पी० पाण्डेय*		
	डॉ० अमिता भारद्वाज, डॉ० आशा पाण्डेय	350	175
शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन	*प्रो० के० पी० पाण्डेय*	325	160
अर्थशास्त्र शिक्षण	*प्रो० के० पी० पाण्डेय*	150	80
Fundamentals of Educational Research	*Prof. K.P. Pandey*	750	400
Educational & Vocational Guidance in India	*Prof. K.P. Pandey*	300	150
Teaching of English in India	*Prof. K.P. Pandey, Dr. Amita*	300	160
प्रारम्भिक सांख्यिकीय विधियाँ	*डॉ० प्रवीणचन्द्र श्रीवास्तव*	280	180
प्रारम्भिक शिक्षा के मूलभूत तत्त्व	*डॉ० प्रवीणचन्द्र श्रीवास्तव*	200	120
भौतिक विज्ञान-शिक्षण	*डॉ० प्रवीणचन्द्र श्रीवास्तव*	120	80
सतत शिक्षा का सामुदायिक स्वरूप	*डॉ० यागेन्द्रनारायण मिश्र*	—	100
संसार के महान शिक्षाशास्त्री	*डॉ० इन्द्रा ग्रोवर*	—	60
महान् शिक्षाशास्त्रियों के सिद्धान्त	*रॉबर्ट आर० रस्क*	—	100
मनोविज्ञान का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य (नवीन संस्करण)	*डॉ० (श्रीमती) गायत्री*	—	150

.....पत्रकारिता / जनसंचार (Journalism / Mass communication).....

		HB	PB
आधुनिक विज्ञापन : कला एवं व्यववहार	*डॉ० अर्जुन तिवारी*	400	200
सम्पूर्ण पत्रकारिता (संशोधित एवं परिवर्धित संस्करण)	*डॉ० अर्जुन तिवारी*	900	500
आधुनिक पत्रकारिता (संशोधित एवं परिवर्धित संस्करण)	*डॉ० अर्जुन तिवारी*	450	200
जनसम्पर्क : सिद्धान्त और व्यवहार (पूर्णतया संशोधित एवं परिवर्धित)	*डॉ० अर्जुन तिवारी, डॉ० विमलेश तिवारी*	500	250
प्रेस विधि (संशोधित एवं परिवर्धित संस्करण)	*डॉ० नन्दकिशोर त्रिखा*	450	200
सम्प्रेषण और रेडियो-शिल्प	*विश्वनाथ पाण्डेय*	250	—
संसद और संवाददाता (संसदीय रिपोर्टिंग)	*ललितेश्वरप्रसाद श्रीवास्तव*	120	—
समाचार और संवाददाता	*काशीनाथ गोविन्द जोगलेकर*	—	100
संवाद-संकलन-विज्ञान	*नारायण व्यंकटेश दामले*	—	50
भारतीय संग्रहालय एवं जनसम्पर्क	*डॉ० आर० गणेशन्*	—	250
हिन्दी पत्रकारिता (भारतेन्दु पूर्व से छायावादोत्तर काल तक)	*डॉ० धीरेन्द्रनाथ सिंह*	**250**	**120**
हिन्दी पत्रकारिता के नये प्रतिमान	*बच्चन सिंह*	—	40
पत्र, पत्रकार और सरकार	*काशीनाथ गोविन्द जोगलेकर*	120	—
संचारक्रान्ति और हिन्दी पत्रकारिता	*डॉ० अशोककुमार शर्मा*	300	200
पत्र प्रकाशन और प्रक्रिया	*शिवप्रसाद भारती*	200	—
हिन्दी पत्रकारिता और पं० बालकृष्ण भट्ट	*डॉ० प्रसिद्ध नारायण चौबे*	200	—
स्वतंत्रता संग्राम की पत्रकारिता और पं० दशरथप्रसाद द्विवेदी	*डॉ० अर्जुन तिवारी*	120	—
स्वतन्त्रता-आन्दोलन और बनारस	*ठाकुरप्रसाद सिंह*	—	**300**
बनारस के यशस्वी पत्रकार	*बच्चन सिंह एवं डॉ० वशिष्ठ नारायण सिंह*	200	125
अमर शहीद गणेशशंकर विद्यार्थी	सं० : *पुरुषोत्तमदास मोदी*	—	250
इतिहास निर्माता पत्रकार	*डॉ० अर्जुन तिवारी*	—	60
रेडियो का कलापक्ष	*डॉ० नीरजा माधव*	80	—
'स्वदेश' की साहित्य-चेतना	*डॉ० प्रत्यूष दुबे*	150	—
पराड़करजी और पत्रकारिता	*डॉ० लक्ष्मीशंकर व्यास*	60	—
आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी और साहित्यिक पत्रकारिता	*डॉ० इन्द्रसेन सिंह*	120	—
हिन्दी साहित्य : विविध परिदृश्य	*डॉ० सदानन्द प्रसाद गुप्त*	160	—
The Rise and Growth of Hindi Journalism (1826–1945)	*Dr. R.R. Bhatnagar,* (Ed.) *Dr. Dhirendra Nath Singh*	800	—
Journalism by Old and New Masters	(Ed.) *Dr.Baldev Raj Gupta*	250	—
Modern Journalism & Mass Communication	'' ''	250	—

..... भाषण तथा संवाद विज्ञान (Speech & Dialogue Science).....

बोलने की कला (वक्ता, अभिनेता, शिक्षक और जनसामान्य के लिए)	*डॉ० भानुशंकर मेहता*	350	200

..... चित्रकला (Drawing & Painting) .....

कला-दर्पण	*वासुदेव बलवन्तराय स्मार्त, ज्योति चन्द्रेश ठाकोर*	200	—
कलागुरु केदार शर्मा के व्यंग्य-चित्रों में काशी	*डॉ० धीरेन्द्रनाथ सिंह*	300	200

		HB	PB
सङ्गीत (Music)			
कजरी	*डॉ० शान्ति जैन*	300	120
चैती	*डॉ० शान्ति जैन*	—	120
संगीत की रसिक परम्परा	*डॉ० प्रमिला प्रियहासिनी*	150	—
सा रे ग म (सरगम गीत)	*डॉ० आर०वी० कविमण्डन*	—	200
कर्नाटक संगीत पद्धति	*डॉ० आर०वी० कविमण्डन*	—	150
राग जिज्ञासा	*देवेन्द्रनाथ शुक्ल*	300	—
संगीत का शैक्षिक मनोविज्ञान	*डॉ० पौलमी चटर्जी*	250	—
भारतीय संगीत का इतिहास	*डॉ० जयदेव सिंह*	800	450
Indian Music	*Dr. Thakur Jaideva Singh*	450	—
सप्त सप्तकीय क्रिया योग स्वर साधना	*स्वामी बुद्ध पुरी*	(यन्त्रस्थ)	
काशी की कस्तूरी : विदुषी सुचरिता गुप्ता (एक संगीत साधिका की संगीत यात्रा)★	*डॉ० शबनम ख़ातून*	800	
प्रणव-भारती★	*स्व० पं० ओम्कारनाथ ठाकुर*	—	400
संगीताञ्जलि (प्रथम भाग)★	*स्व० पं० ओम्कारनाथ ठाकुर*	—	400
संगीताञ्जलि (द्वितीय भाग)★	*स्व० पं० ओम्कारनाथ ठाकुर*	—	500
संगीताञ्जलि (तृतीय भाग)★	*स्व० पं० ओम्कारनाथ ठाकुर*	—	760
संगीताञ्जलि (चतुर्थ भाग)★	*स्व० पं० ओम्कारनाथ ठाकुर*	—	640
संगीताञ्जलि (पंचम भाग)★	*स्व० पं० ओम्कारनाथ ठाकुर*	—	840
संगीताञ्जलि (षष्ठ भाग)★	*स्व० पं० ओम्कारनाथ ठाकुर*	—	640
संगीताञ्जलि (सप्तम भाग)★	*स्व० पं० ओम्कारनाथ ठाकुर*	—	400
भूगोल (Geography)			
भौगोलिक चिन्तन के आयाम	*डॉ० ए०के० सिंह, डॉ० श्रीकान्त दीक्षित*	500	200
ENGLISH LITERATURE			
The Mayor of Casterbridge	*Thomas Hardy*	—	50
Shakespearian Comedy	*H.B. Charlton*	—	120
Introduction to Movements, Ages & Literary Forms	*Dr. R.N. Singh*	—	80
सामान्य विज्ञान (General Science)			
Indian Artificial Satellites	*Dr. S.N. Ghosh*	200	—
ज्योतिष शास्त्र एवं अन्तरिक्ष विज्ञान	*डॉ० डी०के० अग्रवाल*	750	320
विज्ञान-कथा	*डॉ० एस०एन० घोष*	100	50
वेद व विज्ञान	*स्वामी प्रत्यगात्मानन्द सरस्वती*	300	—
वेदान्त और आइन्सटीन	*अनिल भटनागर*	100	—
विज्ञान और वेदान्त	*मान्धाता सिंह*	—	100
ZOOLOGY / PHYSICS			
Fishes of U.P. & Bihar	*Gopalji Srivastava*	650	350
Waves and Oscillations	*Dongre & Bhattacharya*	—	180

संस्कृत-साहित्य (SANSKRIT LITERATURE)

..... संस्कृत व्याकरण तथा रचना .....

संस्कृत-शिक्षा (भाग-1) (प्रारम्भिक कक्षाओं हेतु)	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी*	—	50
संस्कृत-शिक्षा (भाग-2) (प्रारम्भिक कक्षाओं हेतु)	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी*	—	50
संस्कृत-शिक्षा (भाग-3) (प्रारम्भिक कक्षाओं हेतु)	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी*	—	50
संस्कृत-शिक्षा (भाग-4) (प्रारम्भिक कक्षाओं हेतु)	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी*	—	40
संस्कृत-शिक्षा (भाग-5) (प्रारम्भिक कक्षाओं हेतु)	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी*	—	40
प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी*	—	**80**
प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी (तेलुगु भाषा में)	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी (अनुवादक : आचार्य उदयन मीमांसक)*	—	**120**
प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी (तेलुगु भाषा में)	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी (अनुवादक : वीरलोकेशाचार्य)*	—	**220**
रचनानुवाद कौमुदी (पूर्णतया संशोधित एवं परिवर्धित)	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी*	—	**150**
प्रौढ-रचनानुवाद कौमुदी	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी*	600	**300**
संस्कृत-व्याकरण एवं लघुसिद्धान्तकौमुदी (सम्पूर्ण)	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी*	600	**325**
संस्कृत-निबन्ध-शतकम् (संशोधित परिवर्धित)	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी*	—	140
अर्थ विज्ञान और व्याकरण दर्शन	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी*	700	350
भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी*	**600**	**320**
लघुसिद्धान्तकौमुदी [समास एवं कारक (विभक्ति) प्रकरण]	*'' व डॉ० भारतेन्दु द्विवेदी*	—	35
लघुसिद्धान्तकौमुदी [संज्ञा एवं सन्धि प्रकरण]	*'' व डॉ० भारतेन्दु द्विवेदी*	—	35
लघुसिद्धान्त कौमुदी [कृदन्त-प्रकरण, स्त्री प्रत्यय एवं तद्धित प्रत्यय]	*'' व डॉ० भारतेन्दु द्विवेदी*	—	35
लघुसिद्धान्तकौमुदी	*डॉ० मुरलीधर पाण्डेय*	—	60
लघुसिद्धान्तकौमुदी	*डॉ० रामअवध पाण्डेय व डॉ० रविनाथ मिश्र*	—	80
सिद्धान्त-कौमुदी (कारक प्रकरणम्)	*ज्योतिस्वरूप मिश्र, उर्मिला मोदी*	—	**70**
बालसिद्धान्तकौमुदी	*ज्योतिस्वरूप मिश्र*	—	200
पाणिनीय शिक्षा ('प्रभावती' हिन्दी व्याख्या संवलिता)	*डॉ० कमलाप्रसाद पाण्डेय*	—	24

..... रस, अलंकार, साहित्यशास्त्र तथा समीक्षा .....

पिंगल कृत छन्दः सूत्रम् (हिन्दी व अंग्रेजी अनुवाद सहित) (वैदिक गणितीय अनुप्रयोगों सहित)	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, डॉ० श्यामलाल सिंह*	**600**	**350**
संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास (संशोधित/परिवर्धित)	*डॉ० राधावल्लभ त्रिपाठी*	500	280
संस्कृत का अर्वाचीन समीक्षात्मक काव्यशास्त्र	*प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र*	**750**	**400**
रसों की संख्या	*प्रो० वी० राघवन्, हिन्दी रूपान्तर : प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र*	—	**250**
भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य-परम्परा	*डॉ० राधावल्लभ त्रिपाठी*	**300**	**160**
काव्यप्रकाशः (श्री मम्मटाचार्यविरचित काव्यप्रकाश की हिन्दी व्याख्या)★	*आचार्य विश्वेश्वर*	—	500
मृच्छकटिकम् का भाव-सौन्दर्य	*प्रो० वेदप्रकाश उपाध्याय*	300	—
गुणीभूतव्यङ्ग्य का सिद्धान्त और बृहत्त्रयी में उसका प्रयोग	*डॉ० नन्दिता श्रीवास्तव*	250	—
उपरूपकों का उद्भव और विकास	*डॉ० इन्द्रा चक्रवाल*	100	—

पण्डितराज जगन्नाथ-प्रणीत भामिनी विलास का प्रस्ताविक-अन्योक्तिविलास (सटीक)	सं० : *पं० जनार्दन शास्त्री पाण्डेय*	—	50
अलङ्कार-दर्पण (साहित्य-दर्पण षष्ठ परिच्छेद व छन्दोमञ्जरी)	*डॉ० जनार्दन गङ्गाधर रटाटे*	—	30
अलङ्कार-दर्पण (साहित्य-दर्पण दशम परिच्छेद व छन्दोमञ्जरी)	*डॉ० जनार्दन गङ्गाधर रटाटे*	—	30
चन्द्रालोक-सुधा एवं छन्दोमञ्जरी-सुधा	*विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी*	—	40
चन्द्रालोकः (मयूख एक से चार)	*डॉ० भारतेन्दु द्विवेदी*	—	40
अभिनव रस सिद्धान्त	*डॉ० दशरथ द्विवेदी*	—	80
वक्रोक्तिजीवितम्	सं० : *डॉ० दशरथ द्विवेदी*	—	200
रसाभिव्यक्ति	*डॉ० दशरथ द्विवेदी*	150	—
दशरूपकम् (धनञ्जयविरचितं)	सं० : *डॉ० रमाशंकर त्रिपाठी*	—	300
ध्वन्यालोकः (दीपशिखा टीका सहित) : सम्पूर्ण	*आचार्य चण्डिकाप्रसाद शुक्ल*	—	300
'' '' : प्रथम एवं द्वितीय उद्योत	*आचार्य चण्डिकाप्रसाद शुक्ल*	—	150
ध्वन्यालोक (श्री आनन्दवर्धनाचार्य-विरचित ध्वन्यालोक की हिन्दी व्याख्या)★	*आचार्य विश्वेश्वर*	—	350
संस्कृत नाटकों में शौरसेनी (कालिदास और राजशेखर के संस्कृत नाटक)	*डॉ० श्रीरंजन सूरिदेव*	—	30
संस्कृत के प्रतीकात्मक नाटक	*डॉ० आशारानी त्रिपाठी*	225	—
संस्कृत साहित्य की कहानी	*उर्मिला मोदी*	—	50
महाकवि कालिदास की आत्मकथा	*डॉ० जयशंकर द्विवेदी*	—	275

..... भाषा-शास्त्र तथा कोश .....

भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी*	600	300
संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन	*डॉ० भोलाशंकर व्यास*	300	120
शिवराम त्रिपाठी कृत लक्ष्मीनिवास कोश *(उणादि कोश)*	*डॉ० रामअवध पाण्डेय*	80	—

.....वैदिक-साहित्य / पालि-प्राकृत-अपभ्रंश.....

काशिकेयवैदिक एवं वेदाध्ययन पद्धति	*डॉ० (श्रीमती) निधि गोस्वामी*	900	—
मात्रा-प्रदीप (जगद्गुरु आचार्यश्री श्रीचन्द्र भगवान् द्वारा प्रणीत मात्रा-शास्त्र की विशद व्याख्या)	*स्वामी कार्ष्णि गुरुशरणानन्द*	1000	—
वैदिक साहित्य एवं संस्कृति	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी*	**600**	**260**
वेदचयनम्	*विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी*	—	100
ऋङ्मणिमाला	*डॉ० हरिदत्त शास्त्री*	—	80
ऋग्वेदभाष्यभूमिका	*डॉ० हरिदत्त शास्त्री*	—	**80**
वेद व विज्ञान	*स्वामी प्रत्यगात्मानन्द सरस्वती*	300	—
वेदान्त और आइन्सटीन	*अनिल भटनागर*	100	—
विज्ञान और वेदान्त	*मान्धाता सिंह*	—	100
पालि-प्राकृत-अपभ्रंश-संग्रह	*डॉ० रामअवध पाण्डेय तथा डॉ० रविनाथ मिश्र*	—	175
निरुक्तम् (प्रथमोऽध्यायः)★	*आचार्य विश्वेश्वर*	—	50

.....संस्कृत-साहित्य (मूल ग्रन्थ, समीक्षा सहित).....

मुद्राराक्षसम्	सं० : *डॉ० रमाशंकर त्रिपाठी*	—	200
उत्तररामचरितम् (श्री भवभूति प्रणीतम्) 'प्रभावती' हिन्दी व्याख्यासंवलिता	सं० : *डॉ० रामअवध पाण्डेय, डॉ० रविनाथ मिश्र*	—	225

अभिज्ञानशाकुन्तलम्	व्याख्याकार : *डॉ० शिवशंकर गुप्त*	—	120
अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थोऽङ्कः)	*डॉ० शिवशंकर गुप्त*	—	40
मेघदूतम् (कालिदास)	सं० : *डॉ० रमाशंकर त्रिपाठी*	—	65
कुमारसम्भवम् (प्रथमः सर्गः)	*डॉ० भारतेन्दु द्विवेदी*	—	35
नलोपाख्यानम् (वेदव्यास)	*गंगासहाय 'प्रेमी'*	—	60
कादम्बरी शुकनासोपदेशः	सं० : *डॉ० महेश कुमार श्रीवास्तव*	—	50
कादम्बरी : कथामुखम् (बाणभट्ट विरचितम्)	सं० : *डॉ० विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी*	—	60
कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)	सं० : *डॉ० देवर्षि सनाढ्य, श्री विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी*	—	60
भर्तृहरिकृत नीतिशतकम्	*श्रीमती शोभा सत्यदेव,* भूमिका : *डॉ० देवर्षि सनाढ्य*	—	40
शिशुपालवधम् (प्रथमः सर्गः)	*डॉ० जनार्दन गंगाधर रटाटे*	—	60
महाकवि भारवि विरचितं किरातार्जुनीयम् (प्रथमः सर्गः)		—	40
महाकवि भारवि विरचितं किरातार्जुनीयम् (द्वितीयः सर्गः)	व्याख्या. : *डॉ० अनुभा वाजपेयी*	—	50
ईशावास्योपनिषद्	सं० : *डॉ० महेश कुमार श्रीवास्तव*	—	25
कठोपनिषद (प्रथम अध्याय)	*डॉ० राजमणि पाण्डेय, डॉ० रविनाथ मिश्र*	—	35
शिवराजविजयः (प्रथमो निश्वासः)	सं० : *डॉ० महेश कुमार श्रीवास्तव*	—	50

.....दर्शन तथा संस्कृति.....

भारतीय दर्शन : सामान्य परिचय (सांख्य, योग, वेदान्त, बौद्ध एवं जैन दर्शन)	*राष्ट्रिय पण्डित श्री व्रजवल्लभ द्विवेदी*	(यन्त्रस्थ)	
भारतीय संस्कृति के मूलतत्व (संस्कार, वर्णाश्रम व्यवस्था, पुरुषार्थ-चतुष्टय)	'' '' ''	—	90
तर्क-संग्रहः (तर्कदीपिक्यासमेतः)	*डॉ० शिवशंकर गुप्त*	—	50
भारतीय दर्शन का सुगम परिचय	*डॉ० शिवशंकर गुप्त*	—	100
मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) **'तत्त्व-बोधिनी'**	*डॉ० शिवशंकर गुप्त*	—	**80**

● बाल, प्रौढ़ तथा नवसाक्षरोपयोगी साहित्य ●

- **प्रेमचंद**
  - **अलग्योझा** (कहानी) 16
  - **पंच-परमेश्वर** (कहानी) 15
  - **परीक्षा** (कहानी) 15
  - **बैर का अंत** (कहानी) 15
- **डॉ० श्रीप्रसाद**
  - **दादी का पंचतंत्र** (कहानी) 40
  - **ढोल बजा** (नाटक) 15
  - **आँगन के फूल** (कविता) 25
- **माताप्रसाद**
  - **वीरांगना झलकारी बाई** (नाटक) 16
- **डॉ० भानुशंकर मेहता**
  - **माँ और शिशु** 25
  - **स्वास्थ्य का क ख ग** (स्वास्थ्य) 25
  - **आबादी की बाढ़** (स्वास्थ्य) 15
- **प्रदीप : नेकी का बदला** (कहानी) 20
- **डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल**
  - **सुनहले हंस** (कहानी) 30
- **रामवचन सिंह 'आनन्द'**
  - **मेरा घर** (कविताएँ) 10
- **डॉ० रोहिताश्व अस्थाना**
  - **खेलो गाओ बढ़ते जाओ** (कविताएँ) 15

हिन्दी साहित्य का वस्तुनिष्ठ इतिहास

प्रथम खण्ड : [दसवीं शताब्दी से उन्नीसवीं शताब्दी तक]
द्वितीय खण्ड : [आधुनिक काल (सन् 1850 से 1920 ई०)]
तृतीय खण्ड : [आधुनिक काल (सन् 1920 से अब तक)]

●

डॉ० कुसुम राय

वैसे तो हिन्दी साहित्य के इतिहास की कई पुस्तकें उपलब्ध हैं। लेकिन प्रश्नोत्तर शैली में लिखा गया यह पहला इतिहास-ग्रन्थ है। इससे छात्रों और शोधार्थियों का रास्ता काफी सुगम हो गया है क्योंकि लिखित और मौखिक परीक्षाओं में वस्तुनिष्ठ प्रश्न ही पूछे जाते हैं।

अब छात्रों और शोधार्थियों को विभिन्न इतिहास-ग्रन्थों का अध्ययन नहीं करना पड़ेगा क्योंकि विदुषी लेखिका ने लगभग सभी इतिहास-लेखक विद्वानों के मतों का समावेश इस पुस्तक में किया है। यह पुस्तक पढ़ने के बाद छात्र इस तरह की अटकलों से भी बच जाएँगे कि परीक्षा में किस तरह के सवाल पूछे जा सकते हैं।

आचार्य रामचंद्र शुक्ल, डॉ० रामकुमार वर्मा और डॉ० गणपतिचन्द्र गुप्त से लेकर अब तक के हिन्दी के सभी विद्वानों के मत इस पुस्तक में समाविष्ट हैं, इसलिए सन्दर्भ ग्रन्थ के रूप में उन्हें इन पुस्तकों के पढ़ने की आवश्यकता नहीं रह गई है।

भाषा-विज्ञान के छात्रों के लिए भी यह पुस्तक काफी उपयोगी है। हिन्दी भाषा के विकास के विभिन्न सोपानों का परिचय कराया गया है। 'पूर्व पीठिका' शीर्षक के अन्तर्गत भारोपीय परिवार से हिन्दी भाषा का सम्बन्ध, भारतीय आर्य भाषाओं का अनुभव, लौकिक संस्कृत, प्राकृत, पालि और अपभ्रंश से खड़ी बोली हिन्दी के विकास और हिन्दी भाषा की विभिन्न बोलियों का सम्यक विवेचन किया गया है।

द्वितीय खण्ड में विधागत तथा कालगत साहित्यिक सामग्रियों को ही एक साथ रखने का प्रयत्न किया है। इसमें काल-विशेष के साहित्यकारों की कालगत रचनाओं का ही सारगर्भित आकलन किया गया है, काल की सीमा के बाहर लिखी जाने वाली रचनाओं को छोड़ दिया गया है क्योंकि एक साहित्यकार को काल की सीमा में आबद्ध कर देना उसमें होने वाले परिवर्तन की गतिविधि का समुचित मूल्यांकन की प्रक्रिया में बाधा देना है। इसलिए इस पुस्तक में कृतिकार तथा उसकी कृतियों का यथोचित विवेचन-विश्लेषण करने हेतु काव्यरूप के साथ काव्य-विधाओं की विकास-प्रक्रिया तथा उनकी प्रवृत्तियों का यथेष्ट ध्यान रखा गया है।

तृतीय खण्ड में स्वच्छन्दतावाद काल (छायावाद युग 1920 ई०-1938 ई०) तथा स्वच्छन्दतावादोत्तर काल (1938 ई० से अब तक) की साहित्यिक सामग्रियों को प्रस्तुत करने का प्रयत्न किया गया है। इसमें काल-विशेष के साहित्यकारों की कालगत रचनाओं का सारगर्भित आकलन किया गया है व कृतिकार तथा उसकी कृतियों का यथोचित विवेचन-विश्लेषण करने हेतु काव्यरूप के साथ काव्य-विधाओं की विकास-प्रक्रिया तथा उनकी प्रवृत्तियों का यथेष्ट ध्यान रखा गया है। आधुनिक काल (1920 ई० से अब तक) स्वतन्त्र रूप में पहली बार प्रकाशित हुआ है जिसमें 1920 ई० से लेकर अब तक की साहित्यिक गतिविधियों को यथासम्भव समग्र रूप में समेटने की कोशिश की गयी है।

प्रथम खण्ड : पृष्ठ 592 **द्वितीय खण्ड : पृष्ठ 408** **तृतीय खण्ड : पृष्ठ 668**

हिन्दी-साहित्य

.....व्याकरण तथा भाषा.....

हिन्दी भाषा और साहित्य	*डॉ० श्रीपति कुमार यादव*	—	**150**
हिन्दी भाषा, व्याकरण और रचना	*डॉ० अर्जुन तिवारी*	—	160
प्रामाणिक व्याकरण एवं रचना	*डॉ० विजयपाल सिंह*	—	80
हिन्दी व्याकरण की सरल पद्धति	*डॉ० बदरीनाथ कपूर*	—	50
हिन्दी भाषा का इतिहास	*डॉ० राकेश कुमार द्विवेदी*	—	60
समसामयिक निबन्ध	*सं० : डॉ० देवव्रत*	—	20
अर्थ विज्ञान और व्याकरण दर्शन	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी*	700	350
भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी*	**600**	**320**
भाषा विज्ञान (पूर्वांचल वि०वि०, बी०ए० तृतीय वर्ष)	*पद्मश्री डॉ० कपिलदेव द्विवेदी*	—	30
भाषाशास्त्र तथा हिन्दी भाषा की रूपरेखा	*डॉ० देवेन्द्रकुमार शास्त्री*	—	100
संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन	*डॉ० भोलाशंकर व्यास*	300	120
हिन्दी भाषा, साहित्य और नागरी लिपि	*डॉ० कन्हैया सिंह*	—	60
हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास	*प्रो० सत्यनारायण त्रिपाठी*	—	120
कार्यालयीय हिन्दी और कम्प्यूटर : सन्दर्भ एवं प्रयोग	*डॉ० अर्चना श्रीवास्तव*	—	**120**
कार्यालयीय हिन्दी	*डॉ० विजयपाल सिंह*	—	80
मध्यकालीन अवधी का विकास (पदुमावती और रामचरितमानस के व्याकरणिक रूप)	*डॉ० कन्हैया सिंह, डॉ० अनिलकुमार तिवारी*	160	—
अपभ्रंश भाषा एवं साहित्य	*डॉ० राकेश कुमार राम*	—	60
अपभ्रंश-प्रकाश	*सं०-डॉ० बृजेश कुमार सिंह 'त्यागी'*	—	110
हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य	*डॉ० वेद प्रकाश उपाध्याय*	300	—
हिन्दी में अनेकार्थता का अनुशीलन	*डॉ० त्रिभुवन ओझा*	200	—
प्रमुख बिहारी बोलियों का तुलनात्मक अध्ययन	*डॉ० त्रिभुवन ओझा*	200	—
कबीर बीजक का भाषाशास्त्रीय अध्ययन	*डॉ० शुकदेव सिंह*	150	—
बेगूसराय की बोली (भाषाशास्त्रीय अध्ययन)	*डॉ० अवधेशकुमार सिंह*	—	60

..... काव्यशास्त्र .....

काव्यशास्त्र	*डॉ० भगीरथ मिश्र*	**600**	**250**
पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धान्त और वाद	*डॉ० भगीरथ मिश्र*	**400**	**250**
पाश्चात्य काव्यशास्त्र कोश	*डॉ० सत्यदेव मिश्र*	300	—
भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य-परम्परा	*डॉ० राधावल्लभ त्रिपाठी*	**300**	**160**
भारतीय व पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी-आलोचना	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	350	160
काव्यप्रकाशः (श्री मम्मटाचार्यविरचित काव्यप्रकाश की हिन्दी व्याख्या)★	*आचार्य विश्वेश्वर*	—	500
साहित्य का मूल्याङ्कन	*डब्लू. बेसिल वर्सफोल्ड*, अनुवादक : *डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	—	100
भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र	*डॉ० अर्चना श्रीवास्तव*	—	120
काव्यांग कौमुदी	*डॉ० कन्हैया सिंह*	—	40

भोजपुरी साहित्य के इतिहास

(प्रथम बार भोजपुरी भाषा में प्रकाशित)

'इतिहास रचे वाला भोजपुरी ग्रन्थ'

●

डॉ० अर्जुन तिवारी

अब ले छिट-पुट गुटकानुमा भोजपुरी साहित्य के इतिहास पर कई गो किताब मिलेला। जवना के सितुही में साहित्य सागर के अँटावे के चेष्टा कहल जाला एह में मनमाना ढंग से चारण, पँवारा, अध्ययन काल जइसन नामकरण मिलेला। पहिला बेर सुविचारित, सन्तुलित वैज्ञानिक ढंग पर लिखित आ नयनाभिराम मुद्रित 'भोजपुरी साहित्य के इतिहास' पर हम आनन्द विभोर बानीं आ लेखक-प्रकाशक के बधाई दे रहल बानीं। भोजपुरी माटी, मानुष के लोक-उद्‌गार, अपूर्व सृजन क्षमता, संत समागम के विशिष्ट रूप, राष्ट्र-भक्ति खातिर सर्वस्व बलिदान, कुँवर सिंह, फतेह बहादुर शाही, मंगल पाण्डेय, चित्तू पाण्डेय के कारनामा के प्रवर्तन, प्रबोधन, नवजागरन, प्रसार काल-खण्ड में बाँट के अनुपम दस्तावेज प्रस्तुत करे वाला डॉ० अर्जुन तिवारी के सूझ-बूझ आ निष्ठा अनुकरणीय बा। इनकर प्रतिभा आ सम्पुष्ट इतिहास लेखन के प्रतिबद्धता के चलते ई किताब बार-बार उद्‌धृत करे वाला 'सन्दर्भ-ग्रन्थ' बन गइल बा।

—केदारनाथ पाण्डेय

सदस्य बिहार विधान परिषद, अध्यक्ष, निवेदन समिति

महासचिव, बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ

भोजपुरी साहित्य जवने तेजी से बढ़ता ओह हिसाब से भोजपुरी साहित्यालोचन अउर इतिहास लेखन नाहीं होत रहल ह। एह अभाव के पूरा करे में डॉ० अर्जुन तिवारी एगो अजगुत कार्य कइले बाड़े जवने से भोजपुरी साहित्य आ संस्कृति के जरी से पुलुईं तक ले प्रामाणिक, बहुत अच्छा परिचय मिलता। लेखक-प्रकाशक के जस दिन-प्रतिदिन बढ़त रहो।

—रामदेव शुक्ल, गोरखपुर

'अथातो भोजपुरी भाषा', 'इतिहास का हऽ', 'काल-विभाजन', 'सिद्ध आ नाथ काल', 'लोकगाथा', 'संत समागम', 'नवजागरन', 'प्रसार', 'संविधान आ भोजपुरी' जइसन नौ अध्याय वाला 'भोजपुरी साहित्य के इतिहास' लिखके भाई अर्जुन अपना के बेजोड़ इतिहासकार सिद्ध कर देहलें। इनके 'भोजपुरी के रामचन्द्र शुक्ल' कहला, लिखला में हमरा सात्त्विक आनन्द मिलता। संविधान के आठवीं अनुसूची खातिर तरसत भोजपुरी भाषा के अभियान गलचर्चने भर ना रही, एह ग्रन्थ के प्रेरक पृष्ठन के चलते इ सशक्त जोरदार प्रभावी आन्दोलन बन जाई।

—अरुणेश नीरन

अन्तर्राष्ट्रीय महासचिव,विश्व भोजपुरी सम्मेलन

गौरवपूर्ण भोजपुरी साहित्य के इतिहास के दिसाईं इतिहास रचे वाला एह ऐतिहासिक ग्रन्थ के पुरजोर स्वागत होई। भोजपुरी भक्तन के खातिर ई ग्रन्थ उपयोगी-संग्रहणीय बा। साथ में गहन शोध अध्येता लोगन के लिए ई ग्रन्थ अनिवार्य बा। एह से भोजपुरी जगत के वैज्ञानिक आ ऐतिहासिक दृष्टि मिली। डॉ० अर्जुन के मेहनत, सूझ-बूझ, विवेक के चलते प्रस्तुत 'भोजपुरी साहित्य के इतिहास' मानक ग्रन्थ के रूप में कण्ठहार बनी—ई निश्चित बा। **—मैनेजर पाण्डेय**, *भूतपूर्व अध्यक्ष, भारतीय भाषा केन्द्र, ज०ने०वि०वि०, नई दिल्ली*

		HB	PB
..... लोक-साहित्य / भोजपुरी साहित्य			
भोजपुरी-हिन्दी शब्दकोश	*डॉ० अर्जुन तिवारी*	750	—
लोकगीतों के सन्दर्भ और आयाम	*डॉ० शान्ति जैन*	900	—
गंगाघाटी के गीत	*डॉ० हीरालाल तिवारी*	**500**	—
लोक साहित्य के विविध आयाम	*डॉ० परवीन निज़ाम अंसारी*	750	350
गनेस चउथ (गणेश चौथ)	*डॉ० सूर्यकान्त त्रिपाठी*	200	120
भोजपुरी साहित्य के इतिहास (प्रथम बार भोजपुरी भाषा में प्रस्तुत)	*डॉ० अर्जुन तिवारी*	1000	500
भोजपुरी और हिन्दी	*डॉ० शुकदेव सिंह*	275	175
भोजपुरी लोक साहित्य	*डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय*	800	400
बनारसी बोली	*पं० वाचस्पति उपाध्याय,* सं० : *डॉ० शशिकला त्रिपाठी*	200	—
बदमाश दर्पण (तेग़ अली)	सं० : *श्री नारायणदास*	—	60
भोजपुरी काव्य चयनिका	*डॉ० अल्ताफ अहमद व डॉ० परवीन निज़ाम अंसारी*	—	80
कजरी	*डॉ० शान्ति जैन*	300	120
चैती	*डॉ० शान्ति जैन*	—	120
झूम उठे मनवाँ	*राहगीर*	100	50
भोजपुरी हृदयेश सतसई	*श्रीकृष्णराय हृदयेश*	120	—
कुअँर सिंह★	*चन्द्रशेखर मिश्र*	—	100
सीता★	*चन्द्रशेखर मिश्र*	—	60
द्रौपदी★	*चन्द्रशेखर मिश्र*	—	120
भीषम बाबा★	*चन्द्रशेखर मिश्र*	—	90
हनुमान★	*धर्मप्रकाश मिश्र*	(यन्त्रस्थ)	
A Comparative Study of Bhojpuri & Bengali	*Dr. Shruti Pandey*	150	—
..... साहित्येतिहास / साहित्य समीक्षा			
हिन्दी साहित्य का इतिहास	*आचार्य रामचन्द्र शुक्ल,* भूमिका : *आचार्य रामचन्द्र तिवारी*	600	300
हिन्दी साहित्य का वस्तुनिष्ठ इतिहास : प्रथम खण्ड [दसवीं शताब्दी से उन्नीसवीं शताब्दी]		750	300
हिन्दी साहित्य का वस्तुनिष्ठ इतिहास : द्वितीय खण्ड [आधुनिक काल (सन् 1850 से 1920 ई०)]		600	300
हिन्दी साहित्य का वस्तुनिष्ठ इतिहास : तृतीय खण्ड [आधुनिक काल (सन् 1920 से अब तक)]		**750**	**400**
हिन्दी साहित्य का अभिनव इतिहास	*डॉ० वशिष्ठ अनूप*	400	190
हिन्दी साहित्य का नवीन इतिहास (संशोधित संस्करण)	*डॉ० लालसाहब सिंह*	—	100
हिन्दी का गद्य-साहित्य (अद्यतन संशोधित संस्करण)	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	**2500**	**1350**
हिन्दी उपन्यास	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	160	—
हिन्दी निबंध और निबंधकार	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	300	175
हिन्दी गद्य : प्रकृति और रचना संदर्भ	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	200	120
आधुनिक हिन्दी आलोचना : संदर्भ एवं दृष्टि	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	(यन्त्रस्थ)	
कृति चिन्तन और मूल्यांकन सन्दर्भ	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	200	—
साहित्य का मूल्याङ्कन	*डब्लू. बेसिल वर्सफोल्ड*, अनुवादक : *डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	—	100
नाथ-योग	*अक्षयकुमार बनर्जी*, अनुवादक : *डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	—	**120**

		HB	PB
योग के विविध आयाम	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	**350**	**150**
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और समकालीन आलोचक	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	—	60
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (संशोधित परिवर्धित संस्करण)	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	200	120
मध्यकालीन हिन्दी साहित्य : विविध सन्दर्भ	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	225	—
मध्ययुगीन काव्य-साधना	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	250	120
रीतिकालीन हिन्दी कविता और सेनापति	सं० : *डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	200	80
राधाकृष्ण भक्ति : स्वरूप और अवदान★	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	125	—
कथा राम कै गूढ़	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	**300**	—
भारतीय व पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी-आलोचना	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	350	160
सारस्वत बोध के प्रतिमान : आचार्य रामचन्द्र तिवारी	*डॉ० वेदप्रकाश पाण्डेय, डॉ० अमरनाथ*	250	—
चमत्कृति सिद्धान्त★ (भारतीय समीक्षा का सातवाँ सिद्धान्त)	*सूर्यनारायण द्विवेदी*	120	—
हिन्दी गद्य रूप : सैद्धान्तिक विवेचन	*डॉ० निर्मला देवी श्रीवास्तव*	—	30
उत्तर-औपनिवेशिक दौर में हिन्दी-शोधालोचना	सं० : *डॉ० राजकुमार*	250	—
आलोचक के भेस में	*उद्भ्रान्त*	350	130
आलोचना और रचना की उलझनें	*मुद्राराक्षस*	250	—
उत्तरशती के उपन्यासों में स्त्री	*डॉ० शशिकला त्रिपाठी*	250	—
नयी कहानी : संवेदना एवं स्वरूप	*डॉ० रामकली सराफ*	250	—
हिन्दी कहानी में लोकतंत्र	*डॉ० संजय गौतम*	200	—
हिन्दी साहित्य : विविध परिदृश्य	*डॉ० सदानन्दप्रसाद गुप्त*	160	—
सृजन के आयाम (मनोविश्लेषणात्मक साहित्य समीक्षा)	*ज्वालाप्रसाद खेतान*	150	—
हिन्दी नवजागरण	*डॉ० गजेन्द्र पाठक*	250	—
साहित्य, सौन्दर्य और संस्कृति	सं० : *डॉ० रतनकुमार पाण्डेय*	200	—
साहित्य और संस्कृति	*डॉ० कन्हैया सिंह, डॉ० राजेश सिंह*	200	—
जनवादी समझ और साहित्य	*डॉ० रामनारायण शुक्ल*	100	—
यथार्थवाद : पुनर्मूल्यांकन	*डॉ० अजब सिंह*	150	—
सामाजिक परिवर्तन में कला एवं साहित्य	*डॉ० जुगनू पाण्डेय*	180	—
वाक्योग	*प्रो० कल्याणमल लोढ़ा, सम्पा० डॉ० अवधेश प्रसाद सिंह*	300	—
वाक्सिद्धि	*प्रो० कल्याणमल लोढ़ा*	160	—
वाग्दोह	*प्रो० कल्याणमल लोढ़ा*	200	—
वाग्द्वार (सात हिन्दी कवियों का मौलिक अध्ययन)	*प्रो० कल्याणमल लोढ़ा*	250	—
बिहारी और देव एवं बिहारी-बोधिनी	*लाला भगवानदीन,* सं० : *प्रो० कुमार पंकज*	600	300
सतसई-संहार ('बिहारी-सतसई' की आलोचना) तथा **संजीवन-भाष्य** ('बिहारी-सतसई' की टीका)	*पं० पद्मसिंह शर्मा,* सं० : *प्रो० कुमार पंकज*	750	350
सूफ़ी कवि जायसी का प्रेम-निरूपण	*डॉ० निज़ामुद्दीन अंसारी*	450	—
हिन्दी कविता : इस्लामी संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में (12वीं शताब्दी-14वीं शताब्दी)	*जमीला आ़ली जा़फ़री*	150	
लोकतत्त्व और छायावादोत्तर हिन्दी कविता	*डॉ० तोषी आनन्द*	300	—
नयी कविता में युगबोध	*डॉ० प्रसिद्धनारायण चौबे*	100	—

		HB	PB
आधुनिक काव्य में फन्तासी की प्रासंगिकता	*डॉ० छोटेलाल दीक्षित*	80	—
नवस्वच्छन्दतावाद	*डॉ० अजब सिंह*	150	—
वाग्धारा	सं० : *डॉ० अवधेशप्रसाद सिंह*	300	—
समकालीन कविता : संवेदना और विकास	*प्रो० रामकली सराफ*	350	—
समकालीन कविता की समझ	*डॉ० सविता श्रीवास्तव*	350	—
आधुनिक हिन्दी कविता का वैचारिक पक्ष	*डॉ० रतनकुमार पाण्डेय*	400	—
सौन्दर्यबोध और हिन्दी नवगीत	*डॉ० माधवेन्द्रप्रसाद पाण्डेय*	250	—
रीतिकालीन वीर-काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन	*डॉ० शिवनारायण सिंह*	150	—
मिथकीय कल्पना और आधुनिक काव्य	*डॉ० जगदीशप्रसाद श्रीवास्तव*	300	—
स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी-काव्य और सामाजिक जीवन की अभिव्यक्ति	*डॉ० चन्द्रभूषण सिन्हा*	100	—
सगुण-निर्गुण भक्ति-वैशिष्ट्य, सम, असम दृष्टि	*डॉ० मंजु द्विवेदी*	150	—
हिन्दी काव्य में हनुमत् चरित्र	*डॉ० मीनाकुमारी गुप्त*	400	—
तुलसीकृत विनयपत्रिका : काव्यशास्त्रीय अध्ययन	*डॉ० रामअवतार पाण्डेय*	320	—
तुलसी की काव्यभाषा	*डॉ० हरिनिवास पाण्डेय*	120	—
मध्ययुगीन काव्य : आलोचना दृष्टि	*डॉ० रामाश्रय सिंह*	200	—
मध्ययुगीन काव्य प्रतिभाएँ	*डॉ० रामकली सराफ*	120	80
वल्लभ सम्प्रदाय और अष्टछाप	*डॉ० युगेश्वर*	—	90
आधुनिक हिन्दी गीतिकाव्य : समीक्षा / विवेचना	*डॉ० विश्वनाथ प्रसाद*	400	—
आधुनिक हिन्दी गीतिकाव्य का स्वरूप और विकास (1920-60)	*डॉ० आशा किशोर*	200	—
राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की राष्ट्रीय संचेतना	*डॉ० वेदप्रकाश उपाध्याय*	250	—
सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' का रचना संसार	*डॉ० वेदप्रकाश उपाध्याय*	225	—
अज्ञेय : चेतना के सीमान्त	*डॉ० ज्वालाप्रसाद खेतान*	250	—
अज्ञेय : शिखर अनुभूतियाँ	*डॉ० ज्वाला प्रसाद खेतान*	150	—
निराला और प्रगतिशीलता	*डॉ० आनंद वर्धन*	350	—
निराला की काव्यभाषा	*डॉ० शकुन्तला शुक्ल*	150	—
मुक्तिबोध और उनकी कविता	*डॉ० ब्रजबाला सिंह*	180	—
भवानीप्रसाद मिश्र और उनका काव्य संसार	*डॉ० अनुपम मिश्र*	160	—
सर्वेश्वर का साहित्य	*डॉ० श्रद्धानन्द*	350	—
सर्वेश्वरदयाल सक्सेना और उनका काव्य संसार	*डॉ० मञ्जु त्रिपाठी*	150	—
प्रगतिशील काव्यधारा और त्रिलोचन	*डॉ० हरिनिवास पाण्डेय*	150	—
रघुवीर सहाय की काव्यानुभूति और काव्यभाषा	*डॉ० अनन्तकीर्ति तिवारी*	150	—
मनोहर श्याम जोशी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	*डॉ० किरन तिवारी*	250	—
फणीश्वरनाथ रेणु और उनका कथा साहित्य	*डॉ० रागिनी वर्मा*	400	—
प्रगतिशील आलोचना की परम्परा और डॉ० रामविलास शर्मा	*डॉ० राजीव सिंह*	140	—
'वैतरणी' से 'वैश्वानर' तक की यात्रा	*डॉ० आनन्दकुमार पाण्डेय*	190	—

(सन्दर्भ : शिवप्रसाद सिंह के उपन्यास)

		HB	PB
यशपाल के उपन्यासों में सामाजिक यथार्थ	*डॉ० (कु०) ऋतु वार्ष्णेय*	300	—
गोदान : कुछ सन्दर्भ	*डॉ० कमलेश कुमार गुप्त*	200	100
'अँधेरे में' : एक पुनर्विचार (मूल्यांकन और पाठ)	सं० : *प्रो० वशिष्ठ अनूप*	—	90
'असाध्य वीणा' की साधना (मूल्यांकन और पाठ)	सं० : *प्रो० वशिष्ठ अनूप*	—	**60**
दलित विमर्श और 'बबूल'	*डॉ० चन्द्रशेखर तिवारी*	220	—
हिन्दी साहित्य की किसान कलम (डॉ०विवेकी राय)	*सं० रामप्रवेश शास्त्री, ,, ,,*	300	—
विवेकी राय और उनका सृजन संसार	सं० : *डॉ० मान्धाता राय*	150	—
अक्षर बीज की हरियाली (विवेकी राय रचना समीक्षा)	*डॉ० वेदप्रकाश अमिताभ*	180	—
लोकऋण : बनगंगी मुक्त है (समीक्षा) **टूटते हुए गाँव का दस्तावेज**	सं० : *सर्वजीत राय*	—	80
भारतेन्दु के नाट्य शब्द	*डॉ० पूर्णिमा सत्यदेव*	100	—
नाटक तथा रंग-परिकल्पना	*डॉ० गिरीश रस्तोगी*	80	—
राष्ट्रीयता का तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य	*डॉ० सुदर्शन पण्डा*	120	—
केरल में हिन्दी भाषा-साहित्य का विकास	*डॉ० एन० ई० विश्वनाथ अय्यर*	250	—
बिहार का संस्मरण साहित्य	*डॉ० आशाकुमारी*	100	—
'स्वदेश' की साहित्य चेतना	*डॉ० प्रत्यूष दुबे*	150	—

..... सन्त–साहित्य .....

संत रज्जब	*डॉ० नन्दकिशोर पाण्डेय*	300	150
बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य	*डॉ० नागेन्द्रनाथ उपाध्याय*	300	—
गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में	*डॉ० नागेन्द्रनाथ उपाध्याय*	300	—
नाथ-योग	*अक्षयकुमार बनर्जी*, अनुवादक : *डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	—	**120**
हिन्दी संत काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन	*प्रो० वासुदेव सिंह*	380	—
रहिये अपने गावाँजी (संत वाणी)	*मनोज कुमार सिंह*	120	—
मध्ययुगीन हिन्दी संत साहित्य और रवीन्द्रनाथ	*डॉ० रामेश्वर मिश्र*	150	—

..... कोश .....

भोजपुरी-हिन्दी शब्दकोश	*डॉ० अर्जुन तिवारी*	750	—
सिद्धार्थ पर्यायवाची एवं विपर्याय कोश (छात्रोपयोगी)	*डॉ० बदरीनाथ कपूर*	—	50

..... प्रेरक सूक्तियाँ .....

मानस सूक्ति सुधा	*डॉ० भगवानदेव पाण्डेय*	80	—

..... कबीर साहित्य तथा समीक्षा .....

कबीर-वाङ्मय (पाठभेद, टीका तथा समीक्षा सहित)

प्रथम खण्ड : **रमैनी**	*डॉ० जयदेव सिंह तथा डॉ० वासुदेव सिंह*	250	120
द्वितीय खण्ड : **सबद**	*डॉ० जयदेव सिंह तथा डॉ० वासुदेव सिंह*	**700**	**400**
तृतीय खण्ड : **साखी**	*डॉ० जयदेव सिंह तथा डॉ० वासुदेव सिंह*	400	225
कबीर वाणी पीयूष	*डॉ० जयदेव सिंह तथा डॉ० वासुदेव सिंह*	—	90
कबीर काव्य कोश	*डॉ० वासुदेव सिंह*	450	—

		HB	PB
निर्गुण भक्ति काव्य : कबीर और जायसी	*डॉ० श्रीपति कुमार यादव*	—	140
संत कबीर और भगताही पंथ	*डॉ० शुकदेव सिंह*	—	150
संतो राह दुओ हम दीठा (कबीर)	सं० : *डॉ० भगवानदेव पाण्डेय*	150	—
कबीर बीजक का भाषाशास्त्रीय अध्ययन	*डॉ० शुकदेव सिंह*	150	—
श्रीसद्गुरु कबीर साहेबकृत मूल बीजक (भगताही पाठ)★	सं० : *महन्त रामरूप गोस्वामी*	300	—

..... भारतेन्दु हरिश्चन्द्र साहित्य, जीवनी तथा समीक्षा .....

अंधेर नगरी (नाटक)	*भारतेन्दु हरिश्चन्द्र*	—	30
भारत दुर्दशा (नाटक)	*भारतेन्दु हरिश्चन्द्र*	—	**40**
श्रीचन्द्रावली नाटिका (नाटक)	*भारतेन्दु हरिश्चन्द्र*	—	25
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : एक व्यक्तित्व चित्र (जीवनी/संस्मरण)	*ज्ञानचंद जैन*	190	—
भारतेन्दु के नाट्य शब्द (समीक्षा)	*डॉ० पूर्णिमा सत्यदेव*	100	—

..... आचार्य रामचन्द्र शुक्ल साहित्य तथा समीक्षा .....

त्रिवेणी (समीक्षात्मक निबन्ध)	सं० : *डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	—	50
चिन्तामणि (भाग-1) (निबन्ध)	सं० : *डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	—	100
भ्रमरगीत सार (काव्य)	*आचार्य रामचंद्र शुक्ल*	—	**80**
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (संशोधित परिवर्धित संस्करण) (समीक्षा)	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	200	120
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और समकालीन आलोचक (समीक्षा)	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	—	60
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आलोचना कोश	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	200	—

.....प्रसाद साहित्य, संस्मरण तथा समीक्षा.....

कामायनी (काव्य)	*जयशंकर प्रसाद*	—	30
लहर (कविता)	*जयशंकर प्रसाद*	—	15
आँसू (कविता)	*जयशंकर प्रसाद*	—	12
ध्रुवस्वामिनी [पाठ, समीक्षा तथा टिप्पणी] (नाटक)	सं० : *डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	—	35
चन्द्रगुप्त (ऐतिहासिक नाटक)	*जयशंकर प्रसाद*	—	50
स्कन्दगुप्त (ऐतिहासिक नाटक)	*जयशंकर प्रसाद*	—	40
अजातशत्रु (ऐतिहासिक नाटक)	*जयशंकर प्रसाद*	—	25
अंतरंग संस्मरणों में जयशंकर 'प्रसाद' (संस्मरण)	सं० : *पुरुषोत्तमदास मोदी*	150	—
प्रसाद की चतुर्दशपदियाँ (Sonnet-काव्य)	*डॉ० किशोरीलाल गुप्त*	—	50
प्रसाद स्मृति वातायन (समीक्षा / संस्मरण)	सं० : *डॉ० विद्यानिवास मिश्र*	—	150

..... प्रेमचंद साहित्य तथा समीक्षा .....

हंस 'काशी अंक' (अक्टूबर-नवम्बर 1933 ई०) (पुनर्मुद्रित)	सं० : *प्रेमचन्द*	—	500
हंस 'आत्मकथा अंक' (1932 ई०) (पुनर्मुद्रित) (आत्मकथा / संस्मरण)	सं० : *प्रेमचन्द*	—	250
रंगभूमि (उपन्यास)	*प्रेमचंद*, भूमिका : *प्रो० गोपाल राय*	400	250
सेवासदन (उपन्यास)	*प्रेमचंद*	250	**120**

		HB	PB
गोदान (उपन्यास)	*प्रेमचंद*	300	**175**
गबन [सम्पूर्ण] (उपन्यास)	*प्रेमचंद*	—	**70**
कर्मभूमि (उपन्यास)	*प्रेमचंद*	—	**100**
प्रेमाश्रम (उपन्यास)	*प्रेमचंद*	—	200
वरदान (उपन्यास)	*प्रेमचंद*	—	60
निर्मला (उपन्यास)	*प्रेमचंद*	—	45
पाँच फूल (कहानी)	*प्रेमचंद*	—	35
सोजे वतन (कहानी)	*प्रेमचंद*	—	**40**
साहित्य का उद्देश्य (समीक्षात्मक निबन्ध)	*प्रेमचंद*	—	100
प्रेमचंद की प्रतिनिधि कहानियाँ (कहानी)	सं० : *प्रो० कुमार पंकज*	—	**120**
गोदान : कुछ सन्दर्भ (समीक्षा)	*डॉ० कमलेश कुमार गुप्त*	200	100

अज्ञेय साहित्य–समीक्षा

'असाध्य वीणा' की साधना	सं० : *प्रो० वशिष्ठ अनूप*	—	**60**
अज्ञेय : चेतना के सीमान्त	*डॉ० ज्वालाप्रसाद खेतान*	250	—
अज्ञेय : शिखर अनुभूतियाँ	*डॉ० ज्वालाप्रसाद खेतान*	150	—
अज्ञेय और 'शेखर : एक जीवनी'	*डॉ० अनन्तकीर्ति तिवारी*	—	60

कुबेरनाथ राय साहित्य

वाणी का क्षीरसागर (ललित निबन्ध)	*कुबेरनाथ राय*	120	—
किरात नदी में चन्द्र-मधु (ललित निबन्ध)	*कुबेरनाथ राय*	80	—
पत्र मणिपुतुल के नाम (ललित निबन्ध)	*कुबेरनाथ राय*	—	80
कंथा-मणि (कविता)	*कुबेरनाथ राय*	100	—

विवेकी राय साहित्य तथा समीक्षा

सामलगमला (कहानी-समग्र)	*डॉ० विवेकी राय*	750	—
खिली हुई धूप में (काव्य-समग्र)	*डॉ० विवेकी राय*	300	—
बबूल (उपन्यास)	*डॉ० विवेकी राय*	—	40
लोकऋण (उपन्यास)	*डॉ० विवेकी राय*	—	110
बनगंगी मुक्त है (उपन्यास)	*डॉ० विवेकी राय*	60	30
कालातीत (कहानी)	*डॉ० विवेकी राय*	100	—
गूँगा जहाज (कहानी)	*डॉ० विवेकी राय*	120	—
जगत तपोवन सो कियो (ललित निबन्ध)	*डॉ० विवेकी राय*	100	—
मनबोध मास्टर की डायरी (संस्मरण / रेखाचित्र / रिपोर्ताज)	*डॉ० विवेकी राय*	200	—
दलित विमर्श और 'बबूल' (समीक्षा)	*डॉ० चन्द्रशेखर तिवारी*	220	—
हिन्दी साहित्य की किसान कलम (डॉ० विवेकी राय) (समीक्षा)	*सं० रामप्रवेश शास्त्री, ,,*	300	—
विवेकी राय और उनका सृजन संसार (समीक्षा)	सं० : *डॉ० मान्धाता राय*	150	—
अक्षर बीज की हरियाली (विवेकी राय रचना समीक्षा)	*डॉ० वेदप्रकाश अमिताभ*	180	—
लोकऋण : बनगंगी मुक्त है (समीक्षा) **टूटते हुए गाँव का दस्तावेज**	सं०: *सर्वजीत राय*	—	80

		HB	PB
.....संस्मरण, जीवनचरित, यात्रा तथा डायरी			
महाकवि कालिदास की आत्मकथा	*डॉ० जयशंकर द्विवेदी*	—	275
पैबन्द : एक संस्मरण	*डॉ० सूर्यनाथ पाण्डेय*	300	—
स्मृतियों के मील-पत्थर (संस्मरण)	*उद्भ्रान्त*	350	130
साहित्य-सुमन (पं० बालकृष्ण भट्ट के रसीले लेखों का संग्रह)	*पं० बालकृष्ण भट्ट, ब्रजमोहन व्यास*		
व भट्टजी की यादें (पं० बालकृष्ण भट्टजी के संस्मरण)	*सम्पादक : लक्ष्मीधर मालवीय*	350	130
मेरा कच्चा चिट्ठा/इलाहाबाद (दो आलेख)	*ब्रजमोहन व्यास,* सं० : *डॉ० लक्ष्मीधर मालवीय*	300	150
अमर शहीद गणेशशंकर विद्यार्थी	*सं० : पुरुषोत्तमदास मोदी*	400	250
बनारस के यशस्वी पत्रकार	*बच्चन सिंह एवं डॉ० वशिष्ठ नारायण सिंह*	200	125
भोजराज (मालवाधीश परमार राजा भोज प्रथम)	*डॉ०भगवतीलाल राजपुरोहित*	100	—
सबद शिल्पी डॉ० शुकदेव सिंह प्र० सम्पा०:	*संत विवेकदास आचार्य व डॉ० रामदरश मिश्र*	600	—
हंस 'आत्मकथा अंक' (1932 ई०) (पुनर्मुद्रित)	सं० : *प्रेमचंद*	—	250
हंस 'काशी अंक' (अक्टूबर-नवम्बर 1933 ई०)	*सम्पादक : प्रेमचन्द*	—	500
तथागत (आत्मकथात्मक उपन्यास)	*डॉ० बाबूराम त्रिपाठी*	100	—
अब तो बात फैल गई	*कान्तिकुमार जैन*	250	—
स्वामी दयानन्द जीवन गाथा (शोधपूर्ण जीवनी)	*प्रो० (डॉ०) भवानीलाल भारतीय*	—	**160**
महाराष्ट्र के कर्मयोगी	*ना०वि० सप्रे*	—	80
कवि बनारसीदास की आत्मकथा	*ज्ञानचन्द जैन*	80	—
मनबोध मास्टर की डायरी	*विवेकी राय*	200	—
तुंगभद्रा से गंगातट : हरिहर से विश्वनाथ	*के० चन्द्रमौलि*	—	180
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : एक व्यक्तित्व चित्र	*ज्ञानचंद जैन*	190	—
स्मृति शेष : देवेश का दस्तावेज	*डॉ० इन्द्रदेव सिंह*	200	—
अंतरंग संस्मरणों में जयशंकर 'प्रसाद'	सं० : *पुरुषोत्तमदास मोदी*	150	—
प्रसाद स्मृति वातायन	सं० : *डॉ० विद्यानिवास मिश्र*	—	150
वटवृक्ष (अमृतलाल नागर) की छाया में	*कुमुद नागर*	190	—
लाई हयात आए...	*डॉ० लक्ष्मीधर मालवीय*	280	—
सरदार माने सरदार	*डॉ० गुणवन्त शाह*	25	—
जो छोड़ गये : वे भी रहेंगे	*शंकरदयाल सिंह*	40	—
मेरा बचपन : मेरा गाँव, मेरा संघर्ष : मेरा कलकत्ता	*रामेश्वर टाँटिया*	250	—
वे दिन वे लोग	*डॉ० परमेश्वरीलाल गुप्त*	60	—
बढ़ते कदम-बदलते आयाम	*डॉ० परमेश्वरीलाल गुप्त*	—	250
चित्र और चरित्र	*विश्वनाथ मुखर्जी*	80	—
हारी हुई लड़ाई का वारिस (स्व० ठाकुरप्रसाद सिंह)	*उमेशप्रसाद सिंह*	100	—
हिन्दी के श्रेष्ठ रेखाचित्र	सं० : *डॉ० चौथीराम यादव*	—	40
संस्मरण और रेखाचित्र	सं० : *उर्मिला मोदी*	—	60
रेखाएँ और रेखाएँ	सं० : *सुधाकर पाण्डेय तथा डॉ० विश्वनाथप्रसाद तिवारी*	—	60

		HB	PB
उपन्यास			
तथागत (आत्मकथात्मक उपन्यास)	*डॉ० बाबूराम त्रिपाठी*	100	—
एक थी रुचि	*बच्चन सिंह*	150	—
बबूल	*डॉ० विवेकी राय*	—	40
लोकऋण	*डॉ० विवेकी राय*	—	110
बनगंगी मुक्त है	*डॉ० विवेकी राय*	60	30
मंगला	*अनन्तगोपाल शेवड़े*	—	40
खबर की औकात	*बच्चन सिंह*	300	—
हस्तिनापुर का शूद्र महामात्य (महात्मा विदुर के जीवन पर आधृत)	*डॉ० युगेश्वर*	140	—
आशाशिशु* (देवर्षि नारद के जीवन पर आधृत उपन्यास)	*डॉ० सूर्यनारायण द्विवेदी*	100	—
कैबरे डान्सर	*आबिद सुरती*	200	—
पांचाली (नाथवती-अनाथवत्) (द्रौपदी के जीवन पर आधृत)	*डॉ० बच्चन सिंह*	125	—
ननकी	*बच्चन सिंह* (पत्रकार)	—	60
तरुण संन्यासी (विवेकानंद)	*राजेन्द्रमोहन भटनागर*	—	60
ललिता (तमिल उपन्यास का अनुवाद)	*अखिलन*	50	—
नया जीवन	*अखिलन*	100	—
सागरी पताका (भारतीय मिथकों पर आधृत वैश्विक कृति)	*राधामोहन उपाध्याय*	250	—
मैत्रेयी (औपनिषदिक उपन्यास)	*प्रभुदयाल मिश्र*	120	—
महाकवि कालिदास की आत्मकथा	*डॉ० जयशंकर द्विवेदी*	—	275
गाँधी की काँवर	*हरीन्द्र दवे*	80	—
बहुत देर कर दी	*अलीम मसरूर*	160	—
बज उठी पायलिया (इळंगोवडिहळ् रचित शिलप्पदिकारम्)	*रा० वीलिनाथन्*	50	—
दरार	*रामावतार*	—	150
कहानी			
निर्गुण रचनावली (6 खण्डों में)	*द्विजेन्द्रनाथ मिश्र 'निर्गुण'*	3000	—
बूढ़ा एलियन एवं अन्य कहानियाँ	*आशीष शुक्ल*	150	—
मिथिलेश्वर की श्रेष्ठ कहानियाँ	*मिथिलेश्वर*	250	120
सामलगमला (कहानी-समग्र)	*डॉ० विवेकी राय*	750	—
एक सुबह और मिल जाती (कहानी संग्रह)	*डॉ० बाबूराम त्रिपाठी*	150	—
एक दलित लड़की की कथा	*बच्चन सिंह*	180	—
दादी का पंचतंत्र	*डॉ० श्रीप्रसाद*	—	40
हरा-भरा चाँद (साइन्स फिक्शन)	*डॉ० भानुशंकर मेहता*	—	120
विज्ञान-कथा	*डॉ० एस०एन० घोष*	100	50
कालातीत	*डॉ० विवेकी राय*	100	—
गूँगा जहाज	*डॉ० विवेकी राय*	120	—
नामालूम रिश्तों का दंश	*डॉ० नीहारिका*	120	—
वेताल पचीसी (वेताल द्वारा राजा त्रिविक्रमसेन को कही 25 कहानियाँ)	*अनु०डॉ०श्रीरंजन सूरिदेव*	—	80
लाल हवेली	*शिवानी*	—	100
दिल का पौधा	*अलीम मसरूर*	60	—
तीसरा यात्री	*डॉ० कुसुम चतुर्वेदी*	80	—

		HB	PB
आँगन में उगी पौध	*डॉ० कुसुम चतुर्वेदी*	140	—
इतिहास के निर्झर	*रामेश्वर टाँटिया*	50	—

कहानी-संग्रह

निबन्ध एवं कहानियाँ	सं० : *डॉ० राकेश कुमार द्विवेदी*	—	60
दलित प्रश्न एवं कहानी साहित्य	सं० : *डॉ० राकेश कुमार राम*	—	60
कहानी संग्रह	सं० : *हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी*	300	**175**
स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कहानियाँ	सं० : *हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी*	250	100
हिन्दी की श्रेष्ठ कहानियाँ	सं० : *पुरुषोत्तमदास मोदी*	250	—
प्रेमचंद की प्रतिनिधि कहानियाँ	सं० : *प्रो० कुमार पंकज*	—	**120**
आधुनिक कहानियाँ	सं० : *डॉ० मुनीन्द्र तिवारी*	—	70
कहानियाँ (कई कहानियाँ)	सं० : *डॉ० शुकदेव सिंह*	—	50
आधुनिक कहानियाँ	सं० : *डॉ० सुरेन्द्र प्रताप*	—	30
प्रतिनिधि कहानियाँ	सं० : *डॉ० बच्चन सिंह*	—	60
कृती कथाएँ	सं० : *डॉ० शुकदेव सिंह तथा डॉ० विजयबहादुर सिंह*	—	50

हास्य-व्यंग्य

स्वर्ग का उल्लू	*ना० वि० सप्रे*	100	—
स्वर्ग में परिवार नियोजन	*ना० वि० सप्रे*	—	30
साहित्यकारों के हास्य-व्यंग्य	*डॉ० भवानीलाल भारतीय*	125	—
आज भी वही बनारस है (सचित्र)	*विश्वंभरनाथ त्रिपाठी 'बड़े गुरू'*	(यन्त्रस्थ)	
कलागुरु केदारशर्मा के व्यंग्य-चित्रों में काशी	*डॉ० धीरेन्द्रनाथ सिंह*	300	200
धूर्त्ताख्यान	*आचार्य हरिभद्र सूरि व डॉ० श्रीरंजन सूरिदेव*	—	40
मुद्रिका रहस्य	*शरद जोशी*	100	—
अन्नपूर्णानन्द रचनावली	*अन्नपूर्णानन्द*	250	—
लालाजी का पर्दा	*अशोकजी*	—	80

ललित निबन्ध

साहित्य-सुमन (पं० बालकृष्ण भट्ट के रसीले लेखों का संग्रह)	*पं० बालकृष्ण भट्ट, ब्रजमोहन व्यास*		
व भट्टजी की यादें (पं० बालकृष्ण भट्टजी के संस्मरण)	*सम्पादक : लक्ष्मीधर मालवीय*	350	130
बाबू गुलाबराय के विविध निबन्ध	*विनोद शंकर गुप्त*	150	90
कोकिल बोल रहा	*युगेश्वर*	80	—
वाणी का क्षीरसागर	*कुबेरनाथ राय*	120	—
किरात नदी में चन्द्र-मधु	*कुबेरनाथ राय*	80	—
पत्र मणिपुतुल के नाम	*कुबेरनाथ राय*	—	80
जगत तपोवन सो कियो	*डॉ० विवेकी राय*	100	—
भोर का आवाहन	*डॉ० विद्यानिवास मिश्र*	—	40
कहीं दूर जब दिन ढले	*डॉ० गुणवन्त शाह*	60	—
त्रिवेणी (समीक्षात्मक निबन्ध)	*आचार्य रामचन्द्र शुक्ल,* सं० : *डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	—	50
चिन्तामणि (भाग-1) (निबन्ध)	सं० : *डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	—	100

विश्वविद्यालय प्रकाशन की अनोखी प्रस्तुति

हिन्दी कथा-साहित्य की 'प्रेम-परक शैली' के सबसे बड़े कथा-शिल्पी, प्रख्यात कथाकार

द्विजेन्द्रनाथ मिश्र 'निर्गुण' की सम्पूर्ण रचनाओं का अनूठा संग्रह...

निर्गुण रचनावली

(छः खण्डों में)

मूल्य - सजिल्द : रु० 3000/-मात्र

खण्ड-1 : **उपन्यास तथा कहानियाँ,** खण्ड-2 : **कहानियाँ,** खण्ड-3 : **कहानियाँ,** खण्ड-4 : **कहानियाँ,** खण्ड-5 : **कहानियाँ,** खण्ड-6 : **कविताएँ / गीत / लेख / संस्मरण / साक्षात्कार / पत्र / चित्र व परिशिष्ट**

लेखन का लक्ष्य यह होना चाहिए, जो कुछ लिखा जाय, केवल सामाजिक न होकर, चिर-स्थायी हो। जिन भावनाओं का हृदय और आत्मा से सीधा सम्बन्ध है, वे उसी रूप में रहेंगी। जब तक प्यार और कला, आस्था और संवेदना, सहानुभूति और संस्कृति समाज के आधार स्तम्भ हैं तभी तक समाज है।—**द्विजेन्द्रनाथ मिश्र 'निर्गुण'**

■ निर्गुण की कहानियों में पात्रों का चित्रण हृदयग्राही है और इतनी सुन्दरता से किया गया है कि इन कहानियों में मनोरंजन के साथ-साथ सद्शिक्षा भी मिलती है। मर्मस्पर्शी विषयों का निरूपण निर्गुण की क्षमता से परिचय कराता है।

—**अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'**

प्रकाशक

विश्वविद्यालय प्रकाशन

प्रथम तल, सी-32/23-के-1डी, चन्दुआ सट्टी, विद्यापीठ रोड,
काशी विद्यापीठ पावर हाउस के सामने गली में (होटल अभिनव इण्टरनेशनल के बगल में)
वाराणसी-221 002 (उत्तर प्रदेश)

मो०: 9198701115, 9369132998 ई-मेल: sales@vvpbooks.com **Website:** www.vvpbooks.com

निबन्ध संग्रह (सम्पादित)

		HB	PB
निबन्ध एवं कहानियाँ	सं० : *डॉ० राकेश कुमार द्विवेदी*	—	60
हिन्दी निबन्ध	सं० : *डॉ० सुरेन्द्रप्रताप*	—	40
आधुनिक निबन्ध	सं० : *डॉ० सुरेन्द्रप्रताप*	—	30
निबन्ध और निबन्ध	सं० : *उमाकान्त त्रिपाठी*	—	40
सात निबन्ध	सं० : *डॉ० रघुवंश तथा डॉ० परमानन्द श्रीवास्तव*	—	30
संस्कृति-प्रवाह	सं० : *प्रो० सोमेश्वर*	—	40
निबन्धायन	सं० : *डॉ० नागेन्द्रनाथ उपाध्याय*	—	35
निबंध निकष	सं० : *डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	—	**90**
गद्य-सौरभ	सं० : *सुमन मोदी*	—	40
गद्य-गौरव	सं० : *उर्मिला मोदी*	—	**60**
ललित निबन्ध	सं० : *केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा*	—	45
समसामयिक निबन्ध	*डॉ० देवव्रत*	—	20

नाटक, एकांकी (मौलिक तथा सम्पादित)

		HB	PB
घोड़ा पै हौदा, हाथी पर जीन (नाट्यरूपान्तरित कहानियाँ)	*डॉ० भानुशंकर मेहता*	120	—
मांदर बज उठा (रेडियो नाटक संकलन)	*अनिन्दिता*	—	150
शताब्दी पुरुष (नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और जवानों पर केन्द्रित सम्पूर्ण नाटक)	*राजेन्द्रमोहन भटनागर*	—	100
महाकवि कालिदास (नाटक)	*शिवप्रसाद मिश्र 'रुद्र काशिकेय'*	50	—
अंधेर नगरी (नाटक)	*भारतेन्दु हरिश्चन्द्र*	—	30
भारत दुर्दशा (नाटक)	*भारतेन्दु हरिश्चन्द्र*	—	40
श्रीचन्द्रावली नाटिका (नाटक)	*भारतेन्दु हरिश्चन्द्र*	—	25
चन्द्रगुप्त (ऐतिहासिक नाटक)	*जयशंकर प्रसाद*	—	**50**
स्कन्दगुप्त (ऐतिहासिक नाटक)	*जयशंकर प्रसाद*	—	**40**
अजातशत्रु (नाटक)	*जयशंकर प्रसाद*	—	25
जयशंकर प्रसाद कृत ध्रुवस्वामिनी (पाठ, समीक्षा तथा टिप्पणी)	सं० : *डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	—	35
यह हुई न बात (नाटक)	*डॉ० गजाधर प्रसाद शर्मा 'गंगेश'*	—	60
छोटे नाटक (नाटक)	सं० : *डॉ० शुकदेव सिंह*	—	**50**
सात एकांकी	सं० : *उर्मिला मोदी*	—	70
एकांकी सप्तक	सं० : *डॉ० निज़ामुद्दीन अंसारी तथा डॉ० अल्ताफ अहमद*	—	70
एकांकी कुंज	सं०: *डॉ०वेदप्रकाश उपाध्याय, डॉ०अल्ताफ अहमद, डॉ०परवीन निज़ाम अंसारी*	—	90
गंगाद्वार (नाटक)	*लक्ष्मीनारायण मिश्र*	—	40
भास्कर वर्मण (ऐतिहासिक नाटक)	*डॉ० हीरालाल तिवारी*	—	**45**
श्रेष्ठ हिन्दी एकांकी	*डॉ० विजयपाल सिंह*	—	60

काव्य-ग्रन्थ

		HB	PB
जौहर (खण्ड-काव्य)	*श्यामनारायण पाण्डेय*	300	120
परशुराम (खण्ड-काव्य)	*श्यामनारायण पाण्डेय*	—	100

		HB	PB
बिहारी और देव एवं बिहारी-बोधिनी	*लाला भगवानदीन,* सं० : *प्रो० कुमार पंकज*	600	300
सतसई-संहार ('बिहारी-सतसई' की आलोचना) तथा	*पं० पद्मसिंह शर्मा,*	750	350
संजीवन-भाष्य ('बिहारी-सतसई' की टीका)	सं० : *प्रो० कुमार पंकज*		
बिहारी और घनानन्द : एक अनुचिन्तन	*डॉ० अमलदार 'नीहार'*	—	150
घनआनन्द-ग्रन्थावली *आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र,* सं० : *डॉ० राजकुमार उपाध्याय 'मणि'*		800	400
घनआनन्द-कवित्त (प्रथम शतक)	*'' '' ''*		
मलिक मुहम्मद जायसी कृत पदुमावती	*सम्पादक एवं व्याख्याकार*		
(मूल पाठ तथा साहित्यिक व्याख्या)	*डॉ० कन्हैया सिंह*	500	275
पद्मावत (जायसी) स्तुति, सिंहल द्वीप वर्णन,	सं० : *डॉ० सच्चिदानन्द राय व*		
मानसरोदक तथा नागमती सन्देश खण्ड	*डॉ० मान्धाता राय*	—	50
पद्मावती समय (पृथ्वीराज रासो)	सं० : *डॉ० मोहनलाल तिवारी*	—	25
मलिक मुहम्मद जायसी और पद्मावत : [नखशिख एवं नागमती वियोग खण्ड]	*'' '' '' ''*	—	50
मलिक मुहम्मद जायसी और पद्मावत : [मानसरोदक,नखशिख एवं नागमती वियोग खण्ड]	*'' ''*	—	50
निर्गुण भक्ति काव्य : कबीर और जायसी	*डॉ० श्रीपति कुमार यादव*	—	140
कन्हावत (जायसी कृत)	*डॉ० परमेश्वरीलाल गुप्त*	150	—
कीर्तिलता और विद्यापति का युग	*डॉ० अवधेश प्रधान*	—	60
भ्रमरगीत सार	*आचार्य रामचंद्र शुक्ल*	—	**80**
केशव-काव्य-कौमुदी	*डॉ० विजयपाल सिंह*	—	30
रीतिकालीन हिन्दी कविता और सेनापति	सं० : *डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	200	80
संक्षिप्त रामचन्द्रिका	सं० : *डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	—	40
रामचरितमानस : अयोध्या काण्ड	सं० : *डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	—	40
भूषण मंजूषा	सं० : *ब्रजकिशोर मिश्र*	—	40
सूर-सञ्चयन	सं० : *उर्मिला मोदी*	—	60
कबीर वाणी पीयूष	*डॉ० जयदेव सिंह तथा डॉ० वासुदेव सिंह*	—	90
महाराष्ट्र के प्रिय संत और उनकी हिन्दी वाणी	*डॉ० विनयमोहन शर्मा*	—	40
कामायनी (काव्य)	*जयशंकर प्रसाद*	—	30
लहर (कविता)	*जयशंकर प्रसाद*	—	15
आँसू (कविता)	*जयशंकर प्रसाद*	—	12

..... कविता-संग्रह (मौलिक कृतियाँ) .....

रवीन्द्र-गीतिका (चुने हुए रवीन्द्र-संगीत, काव्य और नृत्य-नाट्य चण्डालिका)	*रवीन्द्रनाथ ठाकुर*	—	40
शिखरों के सोपान (ग़ज़लें)	*कमलेश भट्ट कमल*	—	250
तेरा अक्स★ (ग़ज़लें)	*पद्माकर*	65	—
खिली हुई धूप में (काव्य-समग्र)	*डॉ० विवेकी राय*	300	—
धूमिल की कविताएँ	सं० : *डॉ० शुकदेव सिंह*	—	80
कंथा-मणि	*कुबेरनाथ राय*	100	—
माताभूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः	*डॉ० शम्भुनाथ सिंह*	80	—
लिखते हुए शोकगीत	*डॉ० नीरजा माधव*	225	—
वेद की कविता	*प्रभुदयाल मिश्र*	120	—
मोक्षदायिनी काशी में गंगा के तट पर	*केकी एन० दारूवाला*	—	40

.... काव्य-संकलन (सम्पादित) ....

पुस्तक	सम्पादक / लेखक	HB	PB
हिन्दी काव्य (म.गां.काशी विद्यापीठ बी.ए.-1, प्रथम सेमेस्टर)	*प्रो०अनुराग कुमार, प्रो०निरंजन सहाय*	—	180
हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य (म.गां.काशी विद्यापीठ बी.ए.-3, पंचम सेमेस्टर)	*प्रो०अनुकूल चंद राय*	—	**160**
आदिकाव्य-भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य-संग्रह	सं० : *डॉ० राकेश कुमार द्विवेदी*	—	**150**
आधुनिक एवं छायावादोत्तर काव्य-संग्रह	सं० : *डॉ० राकेश कुमार द्विवेदी*	—	**160**
सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य	सं० : *डॉ० राकेश कुमार द्विवेदी*	—	80
सगुण भक्तिकाव्य एवं छायावादी काव्य	सं० : *डॉ० राकेश कुमार द्विवेदी*	—	**120**
रीतिकाव्य-तरंगिणी (नई शिक्षा नीति आधारित-चार वर्षीय स्नातक)	सं० : *डॉ० राकेश कुमार द्विवेदी*	—	**120**
आदिकाव्य एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	सं० : *डॉ० राकेश कुमार राम*	—	40
भोजपुरी काव्य चयनिका	*डॉ० अल्ताफ अहमद व डॉ० परवीन निज़ाम अंसारी*	—	80
उर्दू के प्रतिनिधि शायर और उनकी शायरी	सं० : *प्रो० वशिष्ठ अनूप*	350	120
आधुनिक काव्य-संग्रह	सं० : *केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा*	**750**	**325**
आधुनिक काव्य	सं०:*हिन्दी विभाग, का०हि०वि०वि०,वाराणसी*	—	**100**
आधुनिक काव्यधारा	सं० : *डॉ० विजयपाल सिंह*	—	60
आधुनिक भारतीय कविता	*डॉ० अवधेशनारायण मिश्र, डॉ० नन्दकिशोर पाण्डेय*	—	**100**
छायावाद के प्रतिनिधि कवि	सं० : *डॉ० विजयपाल सिंह*	—	50
मध्यकालीन काव्य-संग्रह	सं० : *केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा*	—	75
रीति काव्यधारा	सं० : *डॉ० रामचन्द्र तिवारी तथा डॉ० रामफेर त्रिपाठी*	—	**120**
रीतिकाव्य संग्रह और काव्यांग-परिचय	सं० : *हिन्दी विभाग, का०हि०वि०वि०,वाराणसी*	—	75
भक्ति-काव्यधारा (कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास)	,, ,, ,,	—	**100**
भक्ति-काव्यधारा (कबीर, सूरदास, तुलसीदास, मीराँबाई)	*डॉ० धीरेन्द्र नाथ चौबे* ,, ,,	—	**90**
समकालीन कविता	सं० : *डॉ० मालती तिवारी*	—	45
आदिकालीन काव्य	सं० : *डॉ० वासुदेव सिंह*	—	40
काव्य भारती	सं० : *अनुरागकुमार*	—	30
काव्य-सौरभ	सं० : *पुरुषोत्तमदास मोदी*	—	**60**
पद्य परिमल	सं० : *पुरुषोत्तमदास मोदी*	—	30
अभिव्यक्ति	सं० : *डॉ० परमानन्द श्रीवास्तव*	—	30
दिशान्तर	सं० : *डॉ० परमानन्द श्रीवास्तव तथा डॉ० विश्वनाथप्रसाद तिवारी*	(यन्त्रस्थ)	
अस्मिता	सं० : *डॉ० जगदीशप्रसाद श्रीवास्तव तथा डॉ० जितेन्द्रनाथ पाठक*	—	80

....................जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया....................

पुस्तक	सम्पादक / लेखक	HB	PB
अपभ्रंश-प्रकाश (एम.ए. प्रथम सेमे० प्रथम प्रश्नपत्र)	*सं०-डॉ० बृजेश कुमार सिंह 'त्यागी'*	—	110
बिहारी और घनानन्द (एम.ए. प्रथम सेमे० चतुर्थ प्रश्नपत्र)	*डॉ०अमलदार 'नीहार', डॉ०अखिलेश*	—	140
बिहारी और घनानन्द : एक अनुचिन्तन (एम.ए. प्रथम सेमे०चतुर्थ प्रश्न०)	*डॉ० अमलदार 'नीहार'*	—	150
छायावादोत्तर प्रतिनिधि कवि (एम.ए. तृतीय सेमे०द्वितीय प्रश्नपत्र)	*सं०-डॉ० श्रीपति कुमार यादव*	—	170
निर्गुण भक्ति काव्य : कबीर और जायसी (एम.ए.)	*डॉ० श्रीपति कुमार यादव*	—	140
हिन्दी भाषा और साहित्य	*डॉ० श्रीपति कुमार यादव*	—	**150**

भारत के महान योगी — विश्वनाथ मुखर्जी

चौदह भाग, 7 जिल्द में

अजिल्द : प्रत्येक 100/150 रुपये, **सजिल्द :** प्रत्येक दो सौ पचास रुपये

भारत योगियों, संतों, साधकों और महात्माओं का देश है। देश के सभी भागों में अनेक योगी तथा संत हुए हैं जिन्होंने देश की चिन्तनधारा और जीवन को प्रभावित किया है। अपने चमत्कारी जीवन से जनमानस को चमत्कृत भी किया है। ऐसे योगियों का जीवन-चरित चौदह भागों (7 जिल्द) में प्रस्तुत किया गया है।

भाग : 1-2 : तंत्राचार्य सर्वानन्द, लोकनाथ ब्रह्मचारी, प्रभुपाद विजयकृष्ण गोस्वामी, वामा खेपा, परमहंस परमानन्द, संत ज्ञानेश्वर, संत नामदेव, संत रविदास, स्वामी विवेकानन्द, स्वामी ब्रह्मानन्द,स्वामी विशुद्धानन्द परमहंस (100.00)

भाग : 3-4 : योगिराज श्यामाचरण लाहिड़ी, महर्षि रमण, भूपेन्द्र नाथ सान्याल, योगी वरदाचरण, नारायण स्वामी, बाबा कीनाराम, तैलंग स्वामी, परमहंस रामकृष्ण ठाकुर, जगद्गुरु शंकराचार्य, सन्त एकनाथ।(रु. 100.00)

भाग : 5-6 : स्वामी रामानुजाचार्य, रामदास काठिया बाबा, राम ठाकुर, साधक रामप्रसाद, भूपतिनाथ मुखोपाध्याय, स्वामी भास्करानन्द, स्वामी सदानन्द सरस्वती, पवहारी बाबा, हरिहर बाबा, साईं बाबा, रणछोड़दास महाराज, अवधूत माधव पागला।(रु. 150.00)

भाग : 7-8 : किरणचन्द्र दरवेश, स्वामी अद्भुतानन्द (लाटू महाराज), भोलानन्द गिरि, तंत्राचार्य शिवचन्द्र विद्यार्णव, महायोगी गोरखनाथ, बालानन्द ब्रह्मचारी, प्रभु जगद्बन्धु, योगिराज गंभीरनाथ, ठाकुर अनुकूलचन्द्र, बाबा सीतारामदास ओंकारनाथ, मोहनानन्द ब्रह्मचारी, कुलदानन्द ब्रह्मचारी, अभयचरणारविन्द भक्तिवेदान्त स्वामी, स्वामी प्रणवानन्द, बाबा लोटादास (रु. 100.00)

भाग : 9-10 : भक्त नरसी मेहता, सन्त कबीरदास, नरोत्तम ठाकुर, श्रीम, स्वामी प्रेमानन्द तीर्थ, सन्तदास बाबाजी, बिहारी बाबा, स्वामी उमानन्द, पाण्डिचेरी की श्रीमाँ, महानन्द गिरि, अन्नदा ठाकुर, परमहंस योगानन्द गिरि, साधु दुर्गाचरण नाग, निगमानन्द सरस्वती, नीब करौरी के बाबा, परमहंस पं० गणेशनारायण, अवधूत अमृतनाथ, देवराहा बाबा। (रु. 150.00)

भाग : 11-12 : बालानंद ब्रह्मचारी, श्री भगवानदास बाबाजी, हंस बाबा अवधूत, महात्मा सुन्दरनाथजी, मौनी दिगम्बरजी, गोस्वामी श्यामानन्द, फरसी बाबा, भक्त लाला बाबू, श्रीपाद माधवेन्द्रपुरी, नंगा बाबा, तिब्बती बाबा, गोस्वामी लोकनाथ, काष्ठ-जिह्वा स्वामी, रूप गोस्वामी, सनातन गोस्वामी, अवधूत नित्यानन्द।(100.00)

भाग : 13-14 : श्री मधुसूदन सरस्वती, आचार्य रामानुज, आचार्य रामानन्द, अद्वैत आचार्य, चैतन्यदास बाबाजी, भक्त दादू, गुरुनानक देव, सिद्ध जयकृष्ण दास, शैवाचार्य अप्पर, साधक कमलाकान्त, राजा रामकृष्ण, यामुनाचार्य, आचार्य मध्व, स्वामी अभेदानन्द, भैरवी योगेश्वरी, सिद्धा परमेश्वरी बाई।(रु. 150.00)

रु० 60.00

भारत की महान साधिकाएँ — विश्वनाथ मुखर्जी

पुरुष साधकों के साथ-साथ साधना के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान कम नहीं है। प्रस्तुत संग्रह की सभी साधिकाएँ अपने-आप में अद्भुत हैं। चाहे वह **श्री माँ शारदामणि, गौरी माँ, दुर्गा माँ, गोपाल की माँ** हों या **श्री माँ आनन्दमयी, श्री सिद्धिमाता, शोभा माँ**। प्रत्येक की साधना अलग-अलग ढंग की है।

अध्यात्म, योग एवं जीवन-चरित

..... मनीषी, संत, महात्मा .....

अज्ञात महात्मा प्रसंग तथा पं० गोपीनाथ कविराज पत्रावली-1	*एस० एन० खण्डेलवाल*	300	**160**
अज्ञात महात्मा प्रसंग तथा पं० गोपीनाथ कविराज पत्रावली-2	*एस० एन० खण्डेलवाल*	350	140
सन्त-महात्माओं के दुर्लभ प्रसंग (प्रथम खण्ड)	*एस०एन० खण्डेलवाल*	300	100
सन्त-महात्माओं के दुर्लभ प्रसंग (द्वितीय खण्ड)	*एस०एन० खण्डेलवाल*	250	100
साधु दर्शन एवं सत्प्रसंग (4 भाग, 3 जिल्द)	*म० म० पं० गोपीनाथ कविराज*	—	210
भारत के महान योगी (भाग 5-6, भाग 9-10, भाग 13-14)	*विश्वनाथ मुखर्जी* (प्रत्येक)	250	**150**
भारत के महान योगी (भाग 1-2, भाग 3-4, भाग 7-8, भाग 11-12)	*" " "* (प्रत्येक)	250	100
भारत की महान साधिकाएँ	*विश्वनाथ मुखर्जी*	—	60
बुद्ध और उनके समकालीन	*डॉ० प्रेमनारायण सोमानी*	(यन्त्रस्थ)	
बुद्ध और उनकी शिक्षा (प्रश्नोत्तरी)	*हेनरी यस० ऑल्कॉट, अनु० छत्रधारी सिंह, " " "*	200	100
तथागत (आत्मकथात्मक उपन्यास)	*डॉ० बाबूराम त्रिपाठी*	100	—
करुणामूर्ति बुद्ध	*डॉ० गुणवन्त शाह*	(यन्त्रस्थ)	
महामानव महावीर	*डॉ० गुणवन्त शाह*	—	30
स्वामी दयानन्द जीवन गाथा (शोधपूर्ण जीवनी)	*प्रो० (डॉ०) भवानीलाल भारतीय*	—	**160**
महाकवि कालिदास की आत्मकथा	*डॉ० जयशङ्कर द्विवेदी*	—	275
रावण की सत्यकथा	*रामनगीना सिंह*	—	80
कथा त्रिदेव की	*रामनगीना सिंह*	—	50
कथा राम कै गूढ़	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	**300**	—
तुकाराम गाथा (*संतश्रेष्ठ तुकाराम के चुने हुए अभंगों का हिन्दी भावानुवाद*)	अनु०: *ना०वि०सप्रे*	400	—
काशी की पाण्डित्य परम्परा	*पं० बलदेव उपाध्याय*	1000	—
काशी के विद्यारत्न संन्यासी	*पं० बलदेव उपाध्याय*	—	80
श्री श्री सिद्धिमाता	*राजबाला देवी*	—	90
योगिराज तैलंग स्वामी	*विश्वनाथ मुखर्जी*	—	60
ब्रह्मर्षि देवराहा-दर्शन	*डॉ० अर्जुन तिवारी*	—	60
प्रकाश-पथ का यात्री (*एक सिद्ध योगी की आत्मकथा*)	*योगेश्वर*	—	200
अघोर पंथ और संत कीनाराम	*डॉ० सुशीला मिश्र*	—	200
शिवस्वरूप बाबा हैड़ाखान	*सद्गुरुप्रसाद श्रीवास्तव*	**300**	**150**
नीब करौरी के बाबा	*डॉ० बदरीनाथ कपूर व परीक्षित कुमार चोपड़ा*	—	**50**
बाबा नीब करौरी के अलौकिक प्रसंग	*बच्चन सिंह*	750	**425**
सोमबारी महाराज (*उत्तराखण्ड की अनन्य विभूति*)	*हरिश्चन्द्र मिश्र*	100	—
संत रज्जब (नवीन संस्करण)	*डॉ० नन्दकिशोर पाण्डेय*	300	150
सन्त रैदास	*श्रीमती पद्मावती झुनझुनवाला*	—	70
रैदास परिचई	*डॉ० शुकदेव सिंह*	(यन्त्रस्थ)	
तरुण संन्यासी (विवेकानंद)	*राजेन्द्रमोहन भटनागर*	—	60

		HB	PB
तिब्बत का रहस्यमयी योग व अलौकिक ज्ञानगंज	*श्रीमत् शंकर स्वामी*	300	**160**
तिब्बत का अज्ञात गुप्त मठ	*श्रीमत् शंकर स्वामी*	—	100
ज्ञानगंज	*म० म० पं० गोपीनाथ कविराज*	**300**	**100**
मनीषी की लोकयात्रा (म०म०पं० गोपीनाथ कविराज का जीवन-दर्शन)	*डॉ० भगवतीप्रसाद सिंह*	600	360
योगिराजाधिराज श्री श्री विशुद्धानन्द परमहंस	*अक्षयकुमारदत्त गुप्त कविरत्न*	600	300
योगिराज विशुद्धानन्द प्रसंग तथा तत्त्व कथा	*पं० गोपीनाथ कविराज*	350	175
सूर्य विज्ञान प्रणेता योगिराजाधिराज स्वामी विशुद्धानन्द परमहंसदेव : जीवन और दर्शन	*नन्दलाल गुप्त*	500	**240**
Yogirajadhiraj Swami Vishuddhanand Paramhansdeva : Life & Philosophy	*Nand Lal Gupta*	**750**	—
श्री शंकराचार्य★	*आचार्य बलदेव उपाध्याय*	—	325
पुराण पुरुष योगिराज श्रीश्यामाचरण लाहिड़ी★	*अशोककुमार चट्टोपाध्याय*	—	400
Purana Purusha Yogiraj Sri Shyama Charan Lahiree★ *(A Complete Biography)*	*Dr. Ashok Kumar Chatterjee*	900	—
कौन हैं ये श्यामाचरण★	*अशोककुमार चट्टोपाध्याय*	200	—
Who is this Shama Churn?★	*Dr. Ashok Kumar Chatterjee*	575	—
योगी कथामृत★	*परमहंस योगानन्द*	—	**260**
Autobiography of a Yogi★	*Paramhansa Yoganand*	390	—
रमण महर्षि★	*ऑर्थर आसबोर्न*	—	125
श्री रमण महर्षि से बातचीत★	*श्री मुनगल एस० वैंकटरामैया*	—	225
श्री रमण महर्षि का उपदेश★	*डेविड गॉडमेन*	—	495
कृष्णायन	*रामबदन राय*	300	—
महाराष्ट्र के प्रिय संत और उनकी हिन्दी वाणी	*डॉ० विनयमोहन शर्मा*	—	40
महाराष्ट्र के संत-महात्मा	*ना०वि० सप्रे*	400	200
महाराष्ट्र के कर्मयोगी	*ना०वि० सप्रे*	—	80
समर्थ रामदास	*ना०वि० सप्रे*	—	50
आधुनिक भारत के युग प्रवर्तक संत★	*लक्ष्मी सक्सेना*	250	150
उत्तराखण्ड की सन्त परम्परा	*डॉ० गिरिराज शाह*	250	120
पूर्वांचल के संत महात्मा	*परागकुमार मोदी*	—	80
भुड़कुड़ा की सन्त परम्परा	*डॉ० इन्द्रदेव सिंह*	150	—
नाथ-योग	*अक्षयकुमार बनर्जी, अनु० डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	—	**120**
गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में	*डॉ० नागेन्द्रनाथ उपाध्याय*	300	—
बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य	*डॉ० नागेन्द्रनाथ उपाध्याय*	300	—
आलोकपुंज (आलोक पथिक) **स्वामी स्वतंत्रानंद★**	*सं० : डॉ० कन्हैया सिंह*	—	100
कबीर-वाङ्मय (पाठभेद, टीका तथा समीक्षा सहित)			
प्रथम खण्ड : **रमैनी**	*डॉ० जयदेव सिंह तथा डॉ० वासुदेव सिंह*	250	120
द्वितीय खण्ड : **सबद**	*डॉ० जयदेव सिंह तथा डॉ० वासुदेव सिंह*	**700**	**400**
तृतीय खण्ड : **साखी**	*डॉ० जयदेव सिंह तथा डॉ० वासुदेव सिंह*	400	225

कबीर व अन्य संत साहित्य *देखें पृष्ठ-* 22.....

.....अध्यात्म, योग, तंत्र, दर्शन, ज्योतिषशास्त्र.....

		HB	PB
विश्वगुरु भारत	*महामोपाध्याय प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र*	750	450
ब्राह्मण-समाज का ऐतिहासिक अनुशीलन	*देवेन्द्रनाथ शुक्ल*	800	450
काशी का इतिहास	*डॉ० मोतीचन्द्र*	950	—
शिव काशी (पौराणिक परिप्रेक्ष्य एवं वर्तमान संदर्भ)	*डॉ० प्रतिभा सिंह, प्रो० राणा पी० बी० सिंह*	—	275
जैन कला तीर्थ : देवगढ़	*डॉ० मारुतिनन्दन तिवारी, डॉ० शान्ति स्वरूप सिन्हा*	300	200
अयोध्या का इतिहास	*श्री अवधवासी लाला सीताराम*	—	275
अध्यात्म का प्रशस्त पथ	*डॉ० प्रेमनारायण सोमानी*	250	100
सोचें	*डॉ० प्रेमनारायण सोमानी*	200	100
समाधान	*डॉ० प्रेमनारायण सोमानी*	200	100
परलोक तत्त्व	*भागर्व शिवरामकिंकर योगत्रयानन्द*	400	300
मानव-तत्त्व तथा वर्ण विवेक	*भागर्व शिवरामकिंकर योगत्रयानन्द*	200	100
सृष्टि-तत्त्व तथा राजा एवं प्रजा	*भार्गव शिवरामकिंकर योगत्रयानन्द*	—	60
एकान्त चिन्तन	*स्वामी श्री प्रत्यगात्मानन्द सरस्वती*	250	80
सनातन हिन्दूधर्म और बौद्धधर्म	*श्यामसुन्दर उपाध्याय*	—	**160**
हिन्दू षड्दर्शन	*स्वामी श्री प्रत्यगात्मानन्द सरस्वती*	150	90
जपसूत्रम् (द्वितीय खण्ड)	*स्वामी श्री प्रत्यगात्मानन्द सरस्वती*	—	250
वेद व विज्ञान	*स्वामी श्री प्रत्यगात्मानन्द सरस्वती*	300	—
मात्रा-प्रदीप (जगद्गुरु आचार्यश्री श्रीचन्द्र भगवान् द्वारा प्रणीत मात्रा-शास्त्र की विशद व्याख्या)	*स्वामी कार्ष्णि गुरुशरणानन्द*	1000	—
वेदान्त और आइन्सटीन	*अनिल भटनागर*	100	—
विज्ञान और वेदान्त	*मान्धाता सिंह*	—	100
काशिकेयवैदिक एवं वेदाध्ययन पद्धति	*डॉ० (श्रीमती) निधि गोस्वामी*	900	—
भारतीय रहस्यवाद	*डॉ० राधेश्याम दूबे*	200	—
स्तुति नति प्रणति	*नथमल केडिया*	—	80
अतीन्द्रिय लोक	*गोविंद प्रसाद श्रीवास्तव*	—	60
योग वासिष्ठ की सात कहानियाँ	*भरत झुनझुनवाला*	(यन्त्रस्थ)	
कथा राम कै गूढ़	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	**300**	—
बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य	*डॉ० नागेन्द्रनाथ उपाध्याय*	300	—
सौन्दर्यलहरी : सत्यं शिवं सुन्दरम्	*प्रभुदयाल मिश्र*	—	**200**
ज्योतिष शास्त्र एवं अन्तरिक्ष विज्ञान	*डॉ० डी०के० अग्रवाल*	750	320
स्वर से समाधि	*स्वामी कृष्णानन्दजी 'महाराज'*	—	180
यंत्र-मंत्र रहस्य	*स्वामी कृष्णानन्दजी 'महाराज'*	—	200
नाथ-योग	*अक्षयकुमार बनर्जी*, अनुवादक : *डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	—	**120**
सप्त सप्तकीय क्रिया योग स्वर साधना	*स्वामी बुद्ध पुरी*	(यन्त्रस्थ)	
गङ्गा : पावन गङ्गा	*डॉ० शुकदेव सिंह*	—	25
मोक्षदायिनी काशी में गंगा के तट पर	*केकी एन० दारूवाला*	—	40
धन धन मातु गङ्ग	*डॉ० भानुशंकर मेहता*	250	—

म०म०पं० गोपीनाथ कविराज
की
अध्यात्मकपरक कृतियाँ

	HB	PB
साधु दर्शन एवं सत्प्रसंग (भाग 1, 2)	—	100
साधु दर्शन एवं सत्प्रसंग(भाग 3)	—	60
साधु दर्शन एवं सत्प्रसंग (भाग 4)	—	**40**
योगिराज विशुद्धानन्द प्रसंग तथा तत्त्व कथा	350	175
अज्ञात महात्मा प्रसंग तथा पं० गोपीनाथ कविराज पत्रावली (भाग-1)	300	**160**
अज्ञात महात्मा प्रसंग तथा पं० गोपीनाथ कविराज पत्रावली (भाग-2)	350	140
ज्ञानगंज	300	100
रहस्यमय सिद्धभूमि तथा सूर्यविज्ञान	350	**160**
अनन्त की ओर	750	350
तत्त्वजिज्ञासा	200	100
तत्त्वानुभूति	200	120
साधन पथ	250	100
भारतीय धर्म साधना	—	120
क्रम-साधना	—	**90**
अखण्ड महायोग	—	75
श्री साधना	—	70
श्रीकृष्ण प्रसंग	—	200
शक्ति का जागरण और कुण्डलिनी	**350**	**160**
दीक्षा.	—	100
सनातन-साधना की गुप्तधारा	—	150
प्रज्ञान तथा क्रमपथ	—	90

	HB	PB
योग-तन्त्र साधना	—	**90**
परातंत्र साधना पथ	—	**80**
तन्त्र और आगम शास्त्रों का दिग्दर्शन★	125	—
भारतीय संस्कृति और साधना★(1)	अप्राप्य	—
भारतीय संस्कृति और साधना★(2)	अप्राप्य	—
अखण्ड महायोग का पथ और मृत्यु विज्ञान★	125	
काशी की सारस्वत साधना★	—	50
भारतीय साधना की धारा★	150	—
स्वसंवेदन★	275	—
तांत्रिक वांङ्मय में शाक्त दृष्टि★	200	—
तांत्रिक साधना और सिद्धान्त★	अप्राप्य	—
कविराज प्रतिभा★	—	295
आत्मनिर्झर★	—	175
अन्तर्यात्रा★	—	175
विजिज्ञासा★	—	125
गुरुदर्शन से सम्बोधि★	—	125
महापथ★	—	125
सिद्धभूमि ज्ञानगंज (सूर्य विज्ञान)★	—	75
साहित्य चिन्तन★	—	175
अद्वैतवाद का संक्षिप्त इतिहास★	—	135
श्रीसाधना रहस्य (प्रथम खण्ड)★	—	100
श्रीसाधना रहस्य (द्वितीय खण्ड)★	—	125
Aspects of Indian Thought★	—	295

म०म०पं० गोपीनाथ कविराज का जीवन-दर्शन

मनीषी की लोकयात्रा (म०म०पं० गोपीनाथ कविराज का जीवन-दर्शन)	*डॉ० भगवतीप्रसाद सिंह*	600	360

म०म०पं० गोपीनाथ कविराज जी के गुरू का जीवन-दर्शन

योगिराजाधिराज श्री श्री विशुद्धानन्द परमहंस	*अक्षयकुमारदत्त गुप्त कविरत्न*	600	300
योगिराज विशुद्धानन्द प्रसंग तथा तत्त्व कथा	*पं० गोपीनाथ कविराज*	350	175
सूर्य विज्ञान प्रणेता योगिराजाधिराज स्वामी विशुद्धानन्द परमहंसदेव : जीवन और दर्शन	*नन्दलाल गुप्त*	500	240
Yogirajadhiraj Swami Vishuddhanand Paramhansdeva : Life & Philosophy	*Nand Lal Gupta*	**750**	—

सृष्टि और उसका प्रयोजन (मेहेर बाबा)	*शिवेन्द्र सहाय*	—	65
वाक्योग	*प्रो० कल्याणमल लोढ़ा, सम्पा० डॉ० अवधेश प्रसाद सिंह*	300	—
वाग्दोह	*प्रो० कल्याणमल लोढ़ा*	200	—
दिव्य प्रतीक	*प्रो० कल्याणमल लोढ़ा*	—	100
गुप्त भारत की खोज	*पाल ब्रंटन*	**500**	**200**
श्रीमद् एकनाथी भागवत	अनुवादक : *ना०वि० सप्रे*	900	—
हिन्दी ज्ञानेश्वरी	अनुवादक : *ना०वि० सप्रे*	—	**320**
कृष्ण का जीवन संगीत (गीता)	*डॉ० गुणवंत शाह*	300	—
यथार्थ गीता★	*स्वामी अड़गड़ानन्द*	200	—
श्रीमद्भगवद्गीता (क्रियायोग पर आधारित व्याख्या)★	*योगाचार्य पण्डित पञ्चानन भट्टाचार्य*	750	—
श्रीमद्भगवद्गीता★ (3 खण्डों में)	*श्री श्यामाचरण लाहिड़ी* (प्रति सेट)	1200	
गीता रहस्य★	*लोकमान्य तिलक*	—	600
Spiritual Gita in 3 Vols.★	*Shyama Charan Lahiri*	(यन्त्रस्थ)	
विल्वदल★ (दो खण्डों में)	*भूपेन्द्रनाथ सान्याल*	—	320
आत्मानुसन्धान और आत्मानुभूति★	*भूपेन्द्रनाथ सान्याल*	—	**40**
दिनचर्या★	*भूपेन्द्रनाथ सान्याल*	—	100
आश्रम चतुष्टय★	*भूपेन्द्रनाथ सान्याल*	—	**150**
आत्मबोध★	*भूपेन्द्रनाथ सान्याल*	—	**50**
प्राणमयं जगत★	*अशोककुमार चट्टोपाध्याय*	—	**100**
श्यामाचरण क्रियायोग व अद्वैतवाद★	*अशोककुमार चट्टोपाध्याय*	—	**350**
क्रियायोग व साधन रहस्य★	*स्वामी साधनानन्द गिरि*	(यन्त्रस्थ)	
Kriya Yoga : Its Mystery and Performing Art★	*Sadhanananda Giri*	(यन्त्रस्थ)	
अनंत की ओर★	*अशोककुमार*	90	—

.....पौराणिक, धार्मिक एवं ऐतिहासिक आख्यान पर आधारित प्रमुख ग्रन्थ.....

आशाशिशु★ (देवर्षि नारद के जीवन पर आधृत)	*डॉ० सूर्यनारायण द्विवेदी*	100	—
हस्तिनापुर का शूद्र महामात्य (महात्मा विदुर के जीवन पर आधृत)	*डॉ० युगेश्वर*	140	—
पांचाली (नाथवती-अनाथवत्) (द्रौपदी के जीवन पर आधृत)	*डॉ० बच्चन सिंह*	125	—
मैत्रेयी (औपनिषदिक उपन्यास)	*प्रभुदयाल मिश्र*	120	—
देवयानी : उत्कृष्ट पौराणिक नाटक	*डॉ० एन० चन्द्रशेखरन् नायर*	—	20
वेताल पचीसी (वेताल द्वारा राजा त्रिविक्रमसेन को कही 25 कहानियाँ)	*सं० डॉ० श्रीरंजन सूरिदेव*	—	80
महाभारत का कालनिर्णय (ज्योतिर्वैज्ञानिक, ऐतिहासिक तथा पौराणिक साक्ष्य के आधार पर)	*डॉ० मोहनलाल गुप्त*	(यन्त्रस्थ)	
सागरी पताका (भारतीय मिथकों पर आधृत वैश्विक कृति)	*राधामोहन उपाध्याय*	250	—
शिव काशी (पौराणिक परिप्रेक्ष्य एवं वर्तमान संदर्भ)	*डॉ० प्रतिभा सिंह,* प्रा० : *प्रो० राणा पी०बी० सिंह*	—	275
तुंगभद्रा से गंगातट : हरिहर से विश्वनाथ	*के० चन्द्रमौलि*	—	180
प्राचीन भारतीय कला में मांगलिक प्रतीक	*डॉ० विमलमोहिनी श्रीवास्तव*	200	—
भोजराज (मालवाधीश परमार राजा भोज प्रथम)	*डॉ० भगवतीलाल राजपुरोहित*	100	—

श्रीमद् एकनाथी भागवत

अनुवादक

ना०वि० सप्रे

(श्रीमद्भागवत के एकादश स्कंध पर श्री एकनाथ महाराज द्वारा लिखी मराठी टीका का अनुवाद)

वेद में जो नहीं कहा गया गीता ने पूरा किया गीता की कमी की आपूर्ति 'ज्ञानेश्वरी' ने की। उसी प्रकार ज्ञानेश्वरी की कमी को एकनाथी भागवत ने पूरा किया। दत्तात्रेय भगवान के आदेश से सन् 1573 में एकनाथ महाराज ने भागवत के ग्यारहवें स्कन्ध पर विस्तृत और प्रौढ़ टीका लिखी। यदि 'ज्ञानेश्वरी' श्रीमद्भागवत की भावार्थ टीका है तो नाथ भागवत श्रीमद्भागवत के ग्यारहवें स्कन्ध पर सर्वांगपूर्ण टीका है। इसकी रचना पैठण में शुरू हुई और समापन वाराणसी में हुआ। विद्वानों का मत है कि यदि ज्ञानेश्वरी को ठीक तरह से समझना है तो एकनाथी भागवत के अनेक पारायण करने चाहिये, तुकाराम महाराज ने भण्डारा पर्वत पर बैठकर एकनाथी भागवत का एक सहस्र पारायण किये।

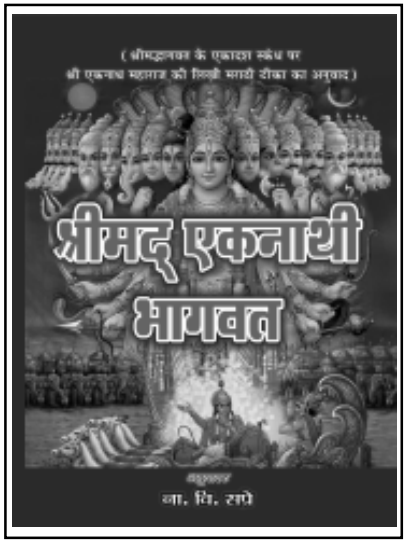

पैठण में आरम्भ एकनाथी भागवत मुक्तिक्षेत्र वाराणसी में मणिकर्णिका महातट पर पंचमुद्रा नामक पीठ में कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा को पूर्ण हुई। इस ग्रन्थ में भागवत धर्म की परम्परा, स्वरूप विशेषताएँ, ध्येय, साधन आदि भागवत के आधार पर निरूपित हुआ है।

मान्यता है कि श्रीमद्भागवत के ग्यारहवें स्कन्ध पर जिसमें साधकोपयोगी तत्त्वज्ञान का ही विस्तृत विवेचन है उसकी रचना करने के लिये ही एकनाथ महाराज ने जन्म लिया था। वारकरी सम्प्रदाय के लोग उन्हें संत ज्ञानेश्वर का अवतार मानते हैं और 'ज्ञानेश्वरी' के बाद 'नाथ भागवत' को पूजनीय मानते हैं। जहाँ ज्ञानेश्वरी में कृष्ण-अर्जुन संवाद को ग्रन्थ का आधार बनाया गया है, वहाँ नाथ-भागवत में श्रीकृष्ण उद्धव संवाद की चर्चा है। जिस प्रकार समस्त भारतवर्ष में रामायण और महाभारत का आदरपूर्वक पठन-पाठन किया जाता है, उसी श्रद्धा से महाराष्ट्र में एकनाथी भागवत का पठन-पाठन किया जाता है।

■ **संस्करण : 2017 (तृतीय)** ■ **ISBN :** 978-93-5146-184-5

❑ पृष्ठ : xvi + 852 ❑ मूल्य : रु० 900.00

■ **आकार : 25 सेमी × 19 सेमी० (क्राउन अठपेजी)** ■ **प्रकार : सजिल्द**

स्वामी करपात्री जी के प्रमुख ग्रन्थ

		HB	PB
गोपीगीत (दार्शनिक विवेचन)	*करपात्रीजी महाराज*	—	350
भ्रमर-गीत	*करपात्रीजी महाराज*	400	150
रामायण-मीमांसा★	*करपात्रीजी महाराज*	**525**	—
भक्ति-सुधा★	*करपात्रीजी महाराज*	340	—
श्रीभागवत-सुधा★	*करपात्रीजी महाराज*	195	—
श्रीराधा-सुधा★	*करपात्रीजी महाराज*	135	—
वेदार्थ पारिजात★ (दो खण्डों में)	*करपात्रीजी महाराज*	**1635**	—
श्रीविद्या-रत्नाकर★	*करपात्रीजी महाराज*	400	—
श्रीविद्या वरिवस्या★	*करपात्रीजी महाराज*	200	—
श्रीमहागणपति वरिवस्या★	*श्री दत्तात्रेयानन्दनाथ*	—	200
श्री भुवनेश्वरी वरिवस्या★	*श्री दत्तात्रेयानन्दनाथ*	—	300

अरुण कुमार शर्मा के प्रमुख ग्रन्थ

		HB	PB
वक्रेश्वर की भैरवी	*अरुणकुमार शर्मा*	—	250
तिब्बत की वह रहस्यमयी घाटी	*अरुणकुमार शर्मा*	—	250
मृतात्माओं से सम्पर्क	*अरुणकुमार शर्मा*	250	—
वह रहस्यमय कापालिक मठ	*अरुणकुमार शर्मा*	—	250
कुण्डलिनी साधना प्रसंग	*अरुणकुमार शर्मा*	—	350
Maaran Paatra	*Arun Kumar Sharma*	—	300
जन्म-जन्मान्तर	*अरुणकुमार शर्मा*	—	**350**
कालञ्जयी★	*अरुणकुमार शर्मा*	—	325
परलोक के खुलते रहस्य★	*अरुणकुमार शर्मा*	—	350
योग तांत्रिक साधना प्रसंग★	*अरुणकुमार शर्मा*	—	275
आवाहन★	*अरुणकुमार शर्मा*	—	350
रहस्य★	*अरुणकुमार शर्मा*	—	350
वह रहस्यमय संन्यासी★	*अरुणकुमार शर्मा*	—	275
आकाशचारिणी★	*अरुणकुमार शर्मा*	—	**300**
तीसरा नेत्र★ (प्रथम खण्ड) / **तीसरा नेत्र**★ (द्वितीय खण्ड)	*अरुणकुमार शर्मा*	प्रत्येक	350
मरणोत्तर जीवन का रहस्य★	*अरुणकुमार शर्मा*	—	400
परलोक विज्ञान★	*अरुणकुमार शर्मा*	—	325
मारण पात्र★	*अरुणकुमार शर्मा*	—	600
कारण पात्र★	*अरुणकुमार शर्मा*	—	300
कुण्डलिनी शक्ति★	*अरुणकुमार शर्मा*	—	**550**
अभौतिक सत्ता में प्रवेश★	*अरुणकुमार शर्मा*	—	300
तंत्रम्★	*अरुणकुमार शर्मा*	—	**400**
कालपात्र★	*अरुणकुमार शर्मा*	—	350
वैरागी★	*अरुणकुमार शर्मा*	—	350
कृष्णम्★	*मनोज कुमार शर्मा आत्मज : अरुणकुमार शर्मा*	—	350

..... ज्योतिष, योग, स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व .....

सप्त सप्तकीय क्रिया योग स्वर साधना	*स्वामी बुद्ध पुरी*	(यन्त्रस्थ)	
नाथ-योग	*अक्षयकुमार बनर्जी*, अनुवादक : *डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	—	**120**
योग के विविध आयाम	*डॉ० रामचन्द्र तिवारी*	**350**	**150**
ज्योतिष शास्त्र एवं अन्तरिक्ष विज्ञान	*डॉ० डी०के० अग्रवाल*	750	320
योग और आरोग्य (साधना और सिद्धि)	*डॉ० कपिलदेव द्विवेदी*	300	175
योग साधना : आधुनिक परिप्रेक्ष्य में	*खेमचन्द्र चतुर्वेदी*	—	100
आसन एवं योगमुद्रायें (प्राचीन भारत में शरीर साधना की पद्धति)	*डॉ० रवीन्द्रप्रताप सिंह*	300	—
दीर्घायु के रहस्य	*डॉ० विनयमोहन शर्मा*	(यन्त्रस्थ)	
माँ और शिशु	*डॉ० भानुशंकर मेहता*	—	25
स्वास्थ्य का क ख ग	*डॉ० भानुशंकर मेहता*	—	25
आबादी की बाढ़	*डॉ० भानुशंकर मेहता*	—	15
भारत के ओलम्पियन पहलवान	*गोवर्द्धनदास मेहरोत्रा*	300	—
अपने व्यक्तित्व को पहचानिए	*डॉ० सत्येन्द्रनाथ राय*	—	50

पृष्ठ 8 का शेष.....

भारत विश्वबन्धुत्व, विश्वधर्म, विश्वभाषा, विश्वकल्याण तथा विश्वमंगल का पक्षधर रहा है जिसका प्रमाण है उसका साहित्य!

लम्बी दासता की अवधि में भारत का वह स्वर्णिम अतीत यद्यपि नष्ट हो गया परन्तु उस महाविनाश के पार्थिव चिह्न आज भी जहाँ-तहाँ हैं। वे चिह्न उन दुर्मद आक्रान्ताओं की पाशविक प्रवृत्तियों को चीख-चीख कर बतातें है जिन्हें आज भी अपनी बर्बरता का पश्चात्ताप नही हैं। 75 वर्षों की स्वतंत्रता में सम्भवत: पहली बार किसी स्वतंत्रचेता निर्भय तथा गहन स्वाध्यायी लेखक ने भारत की उस विवर्त-गाथा को सप्रमाण, बेबाकी के साथ लिखा है। भारत की विश्वसम्बन्धी अवधारणा, जनैक्य-सिद्धान्त, राष्ट्रीयता की दृष्टि, सामाजिक समरसता, न्यायनिष्ठा तथा मानवधर्म की समीक्षा प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र ने इस ग्रन्थ में नीर-क्षीरविवेक दृष्टि से की है। उनकी दृष्टि में भारत पुन: विश्वगुरुत्व की गोपुर-भूमि में प्रविष्ट हो चुका है।

'विश्वगुरु भारत' इस ग्रंथ के माध्यम से भारत क्या है ? भारत की श्रेष्ठता कितनी है ? भारत की भूमि के प्रति हमारी मातृत्व की अवधारणा व पुत्रत्व का भाव किस आधार पर खड़ा है, भारतीय राष्ट्रीयता का विशिष्ट तत्व हिन्दुत्व, हिन्दू धर्म, हिन्दू संस्कृति की विशेषताएं, भारत का इतिहास, भारत की मातृशक्ति, भारत में लोक की सर्वोपरिता, भारत की शासन प्रशासन परम्परा आदि अनेक विषयों का मूलगामी व सप्रमाण परामर्श इस ग्रंथ में किया गया है। भारतीय धर्म संस्कृति का वैश्विक प्रभाव व विश्व संचार भी इसके एक प्रकरण का विषय है। **पृष्ठ 372**

*** एजेन्सी प्रकाशन (इस सूची से पूर्व में प्रकाशित समस्त सूचीपत्र निरस्त किये जाते हैं।)**
नोट : पुस्तकों के मूल्य परिवर्तनीय हैं। (Prices are subject to change)